

उत्तर प्रदेश राज्य जीवविधिद्यता बोर्ड



वार्षिक रिपोर्ट 2012-2013

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ

आवरण पृष्ठ चित्रः ।. सारस क्रेन्स

2. पेण्टेड स्टार्क

3. ओपन बिल्ड स्टार्वस

ठायाचित्र **: श्री नीरज मिश्रा** 

वेब साईटः www.neerajmisrhra.com

#### प्रकाशक:

## उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

पूर्वी विंग, तृतीय तल, 'ए' ब्लॉक, पिकप भवन, गोमती नगर, लखनऊ

फोन: 0522-4006746, 2306491 फेंक्स: 0522-4006746

वेबसाइटः http://www.upsbdb.org

इंमेलः upstatebiodiversityboard@gmail.com

-			
00	1.	प्राक्कथन	1
	2.	बोर्ड की बैठकें	4
	3.	जैव विविधता प्रबन्धन समितियाँ	7
PC	4.	जन जैवविविधता रजिस्टर (पी.बी.आर.)	8
	<b>⊙</b> 5.	परियोजनाएं	10
20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 2	6.	अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2012	35
615	7.	जागरूकता कार्यक्रम	40
		(i) समुद्री जैववि <mark>विधता प्रतियोगिता</mark> एं 14 मई, 2013	40
		(ii) विश्व पर्यावरण <mark>दिवस, 5 जून, 2012</mark>	41
	1	(iv) गिद्ध जागरूकता दिवस, 01 सितम्बर, 2012	42
	7	(v) साइंस एक्सप्रेस जै <mark>वविविधता विशिष्ट (ए</mark> सईबीएस)	43
		(vi) विश्व वेटलैण्ड <mark>दिवस, 02 फरवरी, 2012</mark>	45
		(vii) विश्व गौरय्या <mark>दिवस, 2</mark> 0 मार्च, <mark>2013</mark>	48
		(viii)विश्व वानिकी <mark>दिवस, 21</mark> मार्च, 20 <mark>13</mark>	54
	8.	मानव संसाधन विकास	58
	9.	प्रकाशन	60
	10.	वित्त एवं लेखा	61
	11.	समाचार पत्रों से	66



#### प्राक्कथन

जैव विविधता के अंतर्गत स्थलीय, सामुद्रिक एवं जलीय पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को सिम्मिलित करते हुए पृथ्वी पर स्थित सभी प्रकार के जीवधारी समाहित हैं। इसके अधीन तीन स्तरों पर विविधता सिम्मिलित है: आनुवंशिक (जेनेटिक) विविधता (प्रजातियों के अंतर्गत), प्रजातीय (स्पीसीज) विविधता (प्रजातियों के मध्य) और पारिस्थितिकीय (इकोसिस्टम) विविधता (पारिस्थितिकीय के मध्य)।

मानव जाति को उत्तरजीविता अथवा बने रहने और कल्याण के लिए जैवविविधता अनिवार्य है। समस्त विकासपरक गतिविधियों का यह मूल अथवा केन्द्र रूप है क्योंकि यह खाद्य, चारा, औषधियां, जल, शुद्ध वायु तथा अन्य सामग्री एवं सेवाएं उपलब्ध कराता है।

### उत्तर प्रदेश एक विहंगम दृष्टि

यह देश का (क्षेत्रवार) चौथा सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला प्रदेश है। देश के कुल क्षेत्र में 3.7 प्रतिशत क्षेत्र उत्तर प्रदेश की 16.49 प्रतिशत मानव जनसंख्या और लगभग 12 प्रतिशत पशुधन संख्या का निर्वाह करता है। राज्य में जनसंख्या का घनत्व 828 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है।

प्रदेशवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। गंगा, यमुना, रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, चंबल, बेतवा, केन, सोन आदि अनेक नदियों के द्वारा प्रदेश भलीभाँति सिंचित है।

यहां कुल वनावरण व वृक्षावरण 21,720 वर्ग कि०मी० है। यह राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 9.01 प्रतिशत है। अभिलिखित वन क्षेत्र 16,583 वर्ग कि०मी० है जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 6.88 प्रतिशत है। राज्य में एक राष्ट्रीय उद्यान तथा 24 वन्यजीव विहार हैं। रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन सेंटर (आर०एस०ए०सी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार उ०प्र० में 11,45,178 हेक्टेयर क्षेत्र आर्द्रभूमि (वेटलैण्ड) है (कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.8 प्रतिशत)। उत्तर प्रदेश में लगभग 2881 पादप प्रजातियां अभिलिखित हैं जो भारतवर्ष की कुल प्रजातियों का लगभग 6.34 प्रतिशत है। द नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्स ने उ०प्र० में 20 नदियों से लगभग 115 मत्स्य प्रजातियाँ अभिलिखित की हैं। इनमें से 109 मछलियां स्थानीय है तथा 06 मछलियां विदेशी हैं।

### जैव विविधता अधिनियम, 2002

जैव विविधता अधिनियम, 2002 पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 05 फरवरी, 2003 को अधिनियिमित किया गया। इस अधिनियम में जैव विविधता का संरक्षण, इसके संघटकों का सतत आधार पर उपयोग तथा जैविक संसाधनों के उपयोग से प्रोद्भूत लाभों का पक्षपात रहित एवं साम्यपूर्ण हिस्सेदारी, और उससे संबधित या आनुषंगिक मामलों के लिए व्यवस्था की गई है। अधिनियम 12 अध्यायों तथा 65 धाराओं में विभक्त है।

भारतीय जैवविविधता एवं उसके संरक्षण पर प्रभुसत्तातमक अधिकार, दुर्विनियोजन से बचाव, पहुँच का विनियमन तथा जैव विविधता का संभाल कर उपयोग करने और संबंधित ज्ञान के लिए यह अधिनियम एक विधिक क्रियाविधि उपलब्ध कराता है।

जैव विविधता नियमावली दिनाँक 15 अप्रैल, 2004 को प्रख्यापित की गई थी। अधिनियम की धारा 22 के अनुसार राज्य जैव विविधता बोर्ड के कृत्यों में निम्नलिखित सिम्मिलित है:

- केन्द्र सरकार द्वारा निर्गत दिशानिर्देशों के अधीन रहते हुए, राज्य सरकारों को, जैव विविधता के संरक्षण, इसके संघटकों का सतत आधार पर उपयोग तथा जैविक संसाधनों के उपभोग से प्राप्त लाभों का साम्यपूर्ण बंटवारों से सम्बन्धित मामलों पर सलाह देना।
- भारतीयों द्वारा जैव सर्वेक्षण या वाणिज्यिक उपभोग और किन्हीं जैविक संसाधनों के जैव-उपभोग के लिए अन्यथा निवेदनों या अनुमोदन प्रदान कर विनियमन करना।
- > ऐसे अन्य कृत्यों का सम्पादन करना जो इस अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन हेतु आवश्यक हों या राज्य सरकार द्वारा विहित किये जायें।

#### बोर्ड का गठन

जैव विविधता अधिनियम की धारा—22 के अनुसार प्रत्येक राज्य एक राज्य जैव विविधता बोर्ड की स्थापना करेगा। तद्नुसार उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड (यू०पी०एस०बी०बी०) की स्थापना शासनादेश संख्या 1498 / 14—5—2006—57 / 2006, दिनाँक 20 सितम्बर, 2006 के द्वारा की गई। बोर्ड में निम्नलिखित सदस्य हैं :—

1.	प्रमुख सचिव, वन, उत्तर प्रदेश शासन	अध्यक्ष
2.	प्रमुख सचिव / सचिव, पर्यावरण, उत्तर प्रदेश शासन का नाम निर्देशिती	सदस्य
3.	प्रमुख सचिव / सचिव, उद्यान, उत्तर प्रदेश शासन का नाम निर्देशिती	सदस्य
4.	प्रमुख सचिव / सचिव, कृषि / उत्तर प्रदेश शासन का नाम निर्देशिती	सदस्य
5.	प्रमुख सचिव / सचिव, पशुधन, उत्तर प्रदेश शासन का नाम निर्देशिती	सदस्य
6.	प्रमुख वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश	सदस्य
7. से 11.	पाँच विशेषज्ञ सदस्य	विशेषज्ञ सदस्यगण

जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 63 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में अधिसूचना संख्या 570 / XIV—5—2010—57 / 2006 दिनाँक 09 अप्रैल, 2010 द्वारा उ०प्र० राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010 बनाई गई। उक्त नियमावली के नियम 19(3) के अधीन बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और राज्य सरकार उसे विधान मंडल के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

# बोर्ड की बैठकें

## सातवीं बोर्ड बैठक: 11 अक्टूबर, 2012

बोर्ड की 7वीं बैठक 11 अक्टूबर, 2012 को आहूत की गई। इस बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया। तत्पश्चात् विगत बैठक में दिए गए निर्देशों व कृत कार्यवाही की प्रगति पर विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही बोर्ड के विभिन्न क्रियाकलापों की प्रगति पर पुनरावलोकन का प्रस्तुतीकरण प्रतिभा सिंह, उप वन संरक्षक द्वारा किया गया। बोर्ड के संज्ञान में लाया गया कि हैदराबाद में आयोजित कन्वेंशन ऑफ बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी (सी.बी.डी.) के पक्षों का 11वाँ सम्मेलन (सी०ओ०पी०) का मेजबान भारत है। अन्तर्राष्ट्रीय अतिथियों को सूचना उपलब्ध करवाने हेतु ब्रोशर्स / फ्लायर्स / पुस्तिकांए / स्टैंडीज तैयार कर ली गई हैं जिसे सीओपी—11 में एक स्टॉल में प्रदर्शित / वितरित किया जाएगा। ये सामग्री सी ओ पी —11 के आयोजन के समय हैदराबाद में निःशूल्क वितरित की जाएंगी।

7वीं बोर्ड बैठक में निम्न निर्णय लिए गए:-

- 1. 2011–12 की अंकेक्षित वित्तीय रिपोर्ट का अनुमोदन।
- 2. अगस्त 2012 तक बोर्ड के व्यय का अनुमोदन।
- 3. 2012—13 के लिए बोर्ड का प्रस्तावित बजट।
- 4. शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से तैयार किए जाने वाले जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०) के मार्ग निर्देशकों का अनुमोदन।
- 5. बोर्ड द्वारा तैयार की जा रही पुस्तक 'बर्ड्स ऑफ राजभवन, लखनऊ', 'ट्रीज ऑफ लोहिया पार्क, लखनऊ' की एक हजार प्रतियों (प्रत्येक) को बनाने का अनुमोदन।
- 6. हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशन हेतु वार्षिक रिपोर्ट 2011—12 का अनुमोदन बोर्ड द्वारा किया गया।
- 7. बोर्ड से वित्त पोषण के लिए 7 नई परियोजनाएं अनुमोदित की गईं।
- 8. ''डॉक्यूमेंटेशन ऑफ प्लान्ट डाइवर्सिटी थ्रू लिटरेचर सर्वे फॉर डेवलेपमेण्ट ऑफ उत्तर प्रदेश डाटाबेस इन्फॉर्मेशन सिस्टम (यू०पी०बी०डी०आई०एस)'' नामक परियोजना के लिए बी०एस०आई० पी० को 9 मासों (01.04.2012 से 31.12.2012 तक) का अवधि विस्तार।
- 9. ''एनोटेटेड एण्ड कलर्ड चेकलिस्ट ऑफ द रेप्टाईल्स एण्ड एम्फीबियन्स ऑफ उत्तर प्रदेश'' नामक परियोजना के लिए जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय को 6 मासों (मई से अक्टूबर 2012) हेतु अवधि विस्तार।
- 10. वाँछित अनुमति / अनुमोदन प्रदान किया गया-
  - जैवविविधता अधिनियम के परिच्छेद 6 व जैवविविधता नियमावली के नियम 18 के प्राविधानों के अन्तर्गत श्री आर०के०गुप्ता, प्रमुख, इनोवेशन प्रोटेक्शन इकाई एन०आई०एस०सी०ए०आर०

भवन, नई दिल्ली ने सेन्ट्रल इन्स्टीटयूट ऑफ मेडीसिनल एण्ड एरोमेटिक प्लान्ट, लखनऊ से सिम्बोपोगान प्रजाति, क्राईसेंथमम सिनेरैरिया फोलियम, यूकेलिप्टस सिट्रोडोरा, फोईनिकुलम वल्गेरा, लावंडुला प्रजाति, लिपिया प्रजाति, मेंथा अर्वेसिंस, मेंथा पिपरीटा, ओसीमम बेसीलिकम, पर्लारगोनियम ग्रेवेलेन्स, जिंजीबर ऑफीसिनाले जैसे जैविक संसाधनों के उपयोग की अनुमित राष्ट्रीय जैविविधता प्राधिकरण (एन०बी०ए०) से माँगी गई है। राष्ट्रीय जैव प्राधिकरण (एन०बी०ए०) ने उत्तर प्रदेश राज्य जैविविधता बोर्ड (यू०पी०एस०बी०बी०) की सहमित चाही है जो शर्तों के अधीन दी जाती है।

- ii. जैवविविधता अधिनियम के परिच्छेद६ व जैवविविधता नियमावली के नियम 18 के प्राविधानों के अन्तर्गत एन०आई०एस०सी०एस०आई०आर० भवन नई दिल्ली ने अनुसंधान के उद्देश्य से नक्खास बाजार, लखनऊ से क्रय कर जैविक संसाधनों जुगलान्सरेजिया, इन्डिगोफेरा टिंक्टोरिया, टर्मिनेलिया चेबुला, अकेसिया सेमुआटा, सेपिन्डस मुकरोसी, एलिप्टा अल्बा, एम्बलिका ऑफीसिनेसि, अकेसिया कटैचू, पिपर बीटल के उपयोग की अनुमति राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण (एन०बी०ए०) से माँगी है। राष्ट्रीय जैव प्राधिकरण (एन०बी०ए०) ने उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड (यू०पी०एस०बी०बी०) की सहमति चाही है जो शर्तों के अधीन दी जाती है।
- iii. जैवविविधता अधिनियम के परिच्छेद 20व जैवविविधता नियमावली के नियम 19 के अन्तर्गत प्रो० के०पी० जॉए, सेण्टर ऑफ एडवान्स स्टडीज, जन्तु विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने अनुसंधान के उद्देश्य से बनारस के चौकाघाट बाजार से क्रय कर जैविक संसाधन हिटीरो न्यूसटस जीवाश्म (भोज्य कैट फिश) के उपयोग की अनुमित राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण (एन०बी०ए०) से माँगी है। राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण (एन०बी० ए०) ने उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड (यू०पी०एस०बी०बी०) की सहमित चाही है जो शर्तों के अधीन दी जाती है।
- v. जैवविविधता अधिनियम के परिच्छेद 7 व उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता नियमावली 2010 के अन्तर्गत मैसर्स सनग्रो सीड्स लि० ने एन०बी०आर०आई० परिसर से गौसीपियम हिरसुटम / बार्बेडेन्स (कॉटन) के 500 बीज व क्राई 1 ई सी कॉकर लाईन, एन०बी०आर०आई० इवेन्ट 24 मृदा सूक्ष्म जीवाणु से सी आर वाई 1 ई सी जीन स्रोत व बैसीलस थुरिंग जिनेसिस जैसे जैव संसाधनों के उपयोग की अनुमित राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण (एन०बी०ए०) से माँगी है। बोर्ड ने यह प्रकरण परामर्श हेतु विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, उ०प्र० सरकार को संदर्भित करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र के दो या तीन जैव तकनीक विशेषज्ञों के पास भी परामर्श हेतु भेजने का निर्णय लिया।

## 8वीं बोर्ड बैठक में निम्न निर्णय लिए गए

- 1. वर्ष 2012—13 में बोर्ड के कार्यों का प्रस्तुतीकरण।
- 2. सितम्बर 2012 तक बोर्ड के व्यय का अनुमोदन।
- 3. संचालित परियोजना ''डाक्यूमेंटेशन ऑफ प्लान्ट डाइवर्सिटी थ्रू लिटरेचर सर्वे फॉर सिस्टम (यूपीबीआईडीएस) को 31 मार्च 2013 तक अविध विस्तार इस शर्त के साथ दिया गया कि इस उद्देश्य हेतु कोई अतिरिक्त अनुदान नहीं दिया जाएगा।
- 4. वांछित अनुमित / अनुमोदन प्रदान किया गया : जैविविविधता अधिनियम, 2002 के परिच्छेद ७ व उत्तर प्रदेश जैविविविधता अधिनियम 2010 के प्राविधानों के अन्तर्गत मै० सनग्रो सीड्स लि० ने एन०बी०आर०आई० परिसर से गौसीपियम हिरसुटम / बार्बेडेन्स (कॉटन) के 50 बीज व क्राई १ ईसी क्रॉकर लाईन एन०बी०आर०आई० इवेन्ट 24 व एक मृदा सूक्ष्म जीवाणु से सी आई आई १ ई सी जीन स्रोत व बैसिलस थुरिंग जिनेसिस जैसे जैव संसाधनों की अनुमित जैविविविधता प्राधिकरण (एन०बी०ए०) से माँगी है।

बोर्ड ने यह प्रकरण परामर्श हेतु विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, उ०प्र० सरकार को संदर्भित करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र के दो या तीन जैव तकनीक विशेषज्ञों के पास भी सुझाव हेतु भेजने का निर्णय लिया।

# जैवविविधता प्रबंधन समितियाँ

## जैवविविधता प्रबन्ध समितियां (बी०एम०सीज्)

जैवविविधता अधिनियम 2002 की मार्ग निर्देशिका व उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधिता नियमावली 2010 के अनुसार इस वर्ष दो जैव विविधता प्रबन्धन समितियाँ (बी०एम०सीज्) गठित की गईं। जैव विविधता समितियों (बी० एम०सीज्) का विवरण निम्नानुसार है:—

क्रम सं०	ग्राम का नाम	विकास खण्ड	जनपद	दिनाँक
1	नायपालापुर	खैराबाद	सीतापुर	16.01.2013
2	हरसेवकपुर नं. 2	चारगाँव	गोरखपुर	26.02.2013

राज्य में सात जैवविविधता समितियाँ (बी०एम०सीज्) गठित की जा चूकी हैं जिनका विवरण निम्नानुसार है –

क्रम सं०	कृषि जलवायु क्षेत्र	जनपद का नाम	विकास खण्ड का नाम	ग्राम का नाम	बी एम सी निर्माण का दिनाँक
1	मध्य मैदान	लखीमपुर	लखीमपुर	सैदापुर देवकली	15.10.2009
2		सीतापुर	खैराबाद	नायपालापुर	16.01.2013
3	तराई	बहराईच	बल्हा	नानपारा देहात	07.12.2010
4	बुंदेलखण्ड	चित्रकूट धाम	कर्वी (चित्रकूट)	बैहार	19.01.2011
5	पूर्वी मैदान	बाराबंकी	बांकी	भिटौली कलां	03.03.2011
6	उत्तर पूर्वी मैदान	गोरखपुर	पिपरौली	भावापार	05.04.2011
7		गोरखपुर	चारगाँव	हरसेवकपुर संख्या 2	26.02.2013

जैवविविधता समितियों (बी०एम०सीज्) के कार्यों में सम्मिलित हैं:--

- क. स्थानीय समुदाय से विचार विमर्श कर जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०) तैयार करना, रखरखाव व मान्यता देना।
- ख. जैविक संसाधनों व पारम्परिक ज्ञान की पहुँच का विस्तृत विवरण, एकत्र किए गए शुल्क का विवरण एवं उत्पन्न लाभों व उसके परस्पर साझेदारी की विधि की सूचना देने वाले रजिस्टर का रखरखाव।
- ग. अनुमोदन प्रदान करने हेतु राज्य जैवविविधता बोर्ड या प्राधिकरण द्वारा संदर्भित किसी प्रकरण पर परामर्श, जैविक संसाधनों का उपयोग करने वाले स्थानीय वैद्य व व्यवसाइयों के आँकड़ों का रखरखाव।

# जन जैव विविधिता पंजिका (पी॰बी॰आर॰)

## जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०)

जैवविविधता प्रबन्ध समिति का मुख्य कार्य स्थानीय समुदाय से विचार विमर्श कर जन जैवविविधता रजिस्टर तैयार करना है। यह रजिस्टर स्थानीय औषधीय व अन्य उपयोग अथवा इससे सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान की जैव संसाधनों की उपलब्धता व ज्ञान व इनकी संहत सूचना अनिवार्य रूप से धारित करेगा।

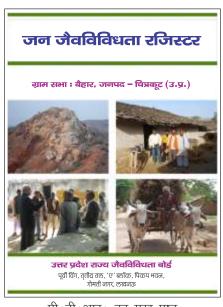
जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०) स्थानीय जैवविविधता, पारम्परिक ज्ञान व व्यवहार के सहभागी अभिलेखीकरण पर केन्द्रित होगा। वे जैविक संसाधनों व सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान पर स्थानीय समुदाय का अधिकार निर्धारित करने हेतु मुख्य विधिक अभिलेखों के रूप में देखे जांएगें।

इस अवधि में निम्न दो जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०) पूर्ण किए गए :--

(i) ग्राम सभाः बैहार, जनपद चित्रकूट : इस ग्राम की जैवविविधता प्रबन्ध समिति 19.01.2011 को गठित हुई। इस ग्राम का जन जैवविविधता रिजस्टर (पी०बी०आर०) तैयार करते समय विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। जैव विविधता प्रबन्ध समिति ने ग्राम के जन जैवविविधता रिजस्टर (पी०बी०आर०) को 23.01.2013 को अनुमोदित किया। इस ग्राम में कुल 295 प्रजातियाँ अभिलिखित की गईं जिनका विवरण निम्न सारणी में दिया गया है:—

## ग्राम बैहार जनपद चित्रकूट में अभिलिखित कुल जैवविविधता

कृषि पौधे	42
महत्वपूर्ण जंगली पादप प्रजातियां	12
फसलों के कीट	08
कृषि फसल की जंगली किस्में	01
शोभाकार पौधे	10
चारा फसल	01
महत्वपूर्ण जंगली जलीय पादप	00
धूमक / चर्वण	01
जलीय जैव विविधता	00
पालतू मवेशी	07
अन्य जंगली पादप	23
कल्चर फिशरीज	00
वन्य पशु (स्तनपाई, पक्षी, सरीसृप, उभयचर, कीट, अन्य)	68
औषधीय महत्व के जंगली पौधे	25
वृक्ष, झाड़ी, शाक, ट्यूबर्स, घासें, लताएं	45
फलदार पौधे	13
औषधीय पौधे	06
- तृण	22
प्रकाष्ठ पादप	09



पी०बी०आर० का मुख पृष्ठ

गाम सभाः नानपारा देहात, जनपद बहराईचः इस ग्राम की जैवविविधता प्रबन्ध समिति (बी०एम०सी०) 07.12.2010 को गठित हुई। इस ग्राम के जन जैवविविधता रजिस्टर बनाने के दौरान स्थानीय समुदाय के साथ विचार विमर्श / बैठकें, गाँव का सर्वेक्षण व ग्राम का भ्रमण आयोजित किया गया। इस ग्राम का जन जैवविविधता रजिस्टर दो भागों में उपलब्ध है (भाग-1 व भाग-2)। गाँव की जैवविविधता प्रबन्ध समिति (बी०एम०सी०) ने 12.03.2013 को जन जैवविविधता रजिस्टर (पी बी आर) को मान्यता प्रदान की। इस गाँव में कुल 343 प्रजातियाँ अभिलिखित की गईं जिनका विवरण निम्न सारिणी में दिया गया है:-

## ग्राम नानपारा जनपद बहराईच में अभिलिखित कुल जैवविविधता

कृषि पौधे	47
महत्वपूर्ण जंगली पादप प्रजातियाँ	15
फसलों के कीट	17
कृषि फसल की जंगली किस्में	06
शोभाकार पौधे	18
चारा फसल	03
महत्वपूर्ण जलीय पादप प्रजातियाँ	04
धूमक / चर्वण पादप	00
जलीय जैव विविधता	08
पालतू मवेशी	13
अन्य जंगली पादप	19
कल्चर फिशरीज	16
वन्य पशु (स्तनपाई, पक्षी, सरीसृप, उभयचर, कीट, अन्य)	69
औषधीय महत्व के जंगली पौधे	28
औषधीय पौधे	13
फलदार पौधे	24
प्रकाष्ट पौधे	15
तृण	28



पी०बी०आर० का मुख पृष्ट



पी०बी०आर० का मुख पृष्ठ

# परियोजनाएं

वर्ष 2012–13 में इन परियोजनाओं की प्रगति निम्नानुसार है:

## क० पूर्ण परियोजना

## 1. उत्तर प्रदेश के सरीसृपों व उभयचरों की रंगीन व व्यापक टिप्पणी सहित सूचीः

यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग ने किया। यह परियोजना प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए स्वीकृत की गई थी। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में न्यून जानकारी वाले उभयचरों व सरीसृपों की विविधता को संहत रूप से अभिलिखित करना है।

उत्तर प्रदेश में सरीसृप विज्ञान का क्रमबद्ध रूप से न तो अध्ययन हुआ और न तो इनके वितरण व बाहुल्य के सम्बन्ध में पर्याप्त विवरण उपलब्ध है। इसी क्रम में प्रदेश की राजनैतिक सीमा में सरीसृपों व उभयचरों के विद्यमान आकड़ों का मिलान व संकलन एवं बाहुल्यता, वितरण, प्राकृत—वास वरीयता एवं सरीसृप प्राणि जगत का प्राकृतिक इतिहास का एक विश्वसनीय, व्याख्यात्मक व विवरणात्मक सूची बनाए जाने की तत्काल आवश्यकता थी। यह सूची पर्यावरण परिवर्तन व जैवविविधता अनुश्रवण हेतु विश्वसनीय आधारभूत अभिलेख हो सकता है।

प्रतिदर्श / नमूना क्षेत्र राज्य के विभिन्न भू—भौगोलिक क्षेत्र व विभिन्न प्राकृत—वास प्रकार से चयनित किए गए। उत्तर प्रदेश की राजनैतिक सीमा में पाए जाने वाले सरीसृपों के बारे में एकत्र की गई महत्वपूर्ण सूचना से विश्वसनीय, व्याख्यात्मक व विस्तृत विवरण वाली सूची तैयार हुई। प्रदेश में सरीसृपों की 88 प्रजातियाँ अभिलिखित की गईं। इसमें उभयचरों की 24 व सरीसृपों की 64 प्रजातियाँ शामिल हैं।

## उत्तर प्रदेश में अभिलिखित किए गए उभयचरों की सूची

क्रम सं०	सामान्य नाम	वैज्ञानिक नाम	आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियाँ	आई०यू० सी०एन० प्रस्थिति
1	जार्डन बुल फाग	होप्लोबेट्राकस क्रेसेस	अनुरा	रानीडे	होप्लोबेट्राकस	क्रेसेस	सामान्य
2	सामान्य भारतीय टोड	डुट्टोफ्रायनेसस मैलानोस्टिक्टस	अनुरा	बुफोनाइडे	डुट्टोफायनेसस	मैलानो— स्टिक्टस	मूल्यांकन नहीं
3	मार्बल्ड टोड	बुफो स्टोमेटिक्स	अनुरा	बुफोनाइडे	बुफो	स्टोमेटिक्स	मूल्यांकन नहीं
4	हिमालयन टोड	बुफो हिमालयनस	अनुरा	बुफोनाइडे	बुफो	हिमालयनस	न्यूनतम महत्व
5	ब्यूटीफुल स्ट्रीम फ्रॉग	एमोलोप्स फारमोसस	अनुरा	बुफोनाइडे	एमोलोप्स	फोरमोसस	न्यूनतम महत्व
6	स्टोलिजकास फ्रॉग	राना विसीना	अनुरा	बुफोनाइडे	राना	विसीना	न्यूनतम महत्व

क्रम सं०	सामान्य नाम	वैज्ञानिकनाम	आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियां	आई०यू० सी०एन० प्रस्थिति
7.	मार्बल्ड फ्रॉग	टुट्टोफ्रायनेस स्टोमेटिक्स	अनुरा	बुफोनाइडे	डुट्टोफायनेस	स्टोमेटिक्स	न्यूनतम महत्व
8.	स्किपर फ्रॉग सियानोलाइक्टिस	यूलाइक्टिस	अनुरा	डाइक्रो– ग्लोसाइडे	यूलाइक्टिस	सियानो— लाइक्टिस	लाइक्टिस नहीं
9.	भारतीय बुल फ्रॉग	होप्लोबेट्राकस ट्राइग्राइनस	अनुरा	डाइक्रो– ग्लोसाइडे	होप्लोबेट्राकस	ट्राइग्राइनस	न्यूनतम महत्व
10.	कॉमन पॉण्ड फ्रॉग	फेजरवारिया लिमनोकेरिस	अनुरा	डाइक्रो	फेजरवारिया ग्लोसाइड	लिमनोकेरिस	न्यूनतम महत्व
11.	ओरनामेंटेड पिग्मी फ्रॉग	माइक्रोहाइला आर्नाटा	अनुरा	माइक्रो हाइडे	माइक्रोहाइला	आर्नाटा	न्यूनतम महत्व
12.	ग्रे बैलून फ्रॉग	अपरोडॉन ग्लोबुलेसम	अनुरा	माइक्रो हाइडे	अपरोडॉन	ग्लोबुलोसम	न्यूनतम महत्व
13.	मार्बल्ड बैलून फ्रॉग	अपरोडान सिस्टोमा	अनुरा	माइक्रो हाइडे	अपरोडॉन	सिस्टोमा	न्यूनतम महत्व
14.	आसाम नैरो माउथ टोड	कालुओला असामेंसिस	अनुरा	माइक्रो हाइडे	कालुओला	असामेंसिस	न्यूनतम महत्व
15.	श्रीलंकन बुलफ्रॉग	कालुओला टेपरोबानिका	अनुरा	माइक्रो हाइडे	कालुओला	टेपरोबानिका	न्यूनतम महत्व
16.	तराई क्रिकेट फ्रॉग	फेजरवारिया टेरालेन्सिस	अनुरा	रानीडे	फेजरवारिया	टेरालेन्सिस	न्यूनतम महत्व
17.	इण्डियन बरोइंग फ्रॉग	स्फेयोरोथिको ब्रेविसप्स	अनुरा	रानीडे	स्फेयोरोथिको	ब्रेविसप्स	न्यूनतम महत्व
18.	रोनाल्ड्स बरोइंग फ्रॉग	स्फेयरोथिका रोलान्डे	अनुरा	रानीडे	रफेयरोथिका	रोलान्डे	न्यूनतम महत्व
19.	फील्ड फ्रॉग	लिनोनेक्टस लिमनोचेरिस	अनुरा	रानीडे	लिनोनेक्टस	लिमनोचेरिस	संकटापन्न
20.	कॉमन सैण्ड फ्रॉग	टोमोप्टर्ना स्पेसीज	अनुरा	रानीडे	टोमोप्टर्ना	स्पेसीज	न्यूनतम महत्व
21.	कॉमन ट्री फ्रॉग माकूलेटस	पोलीपेडेट्स	अनुरा	राहको— फेराइड	पोलीपेडेट्स	माकूलेटस	न्यूनतम महत्व
22.	दुधवा ट्री फ्रॉग	क्रिक्सालस दुधवानेन्सिस	अनुरा	राहको— फोराइडे	क्रिक्सालस	दुधवानेन्सिस	आँकड़ों की कमी
23.	अज्ञात	पॉलीपेडेट्स टेनियाटस	अनुरा	राहको— फोराइडे	पॉलीपेडेट्स	टेनियाटस	अज्ञात
24	अज्ञात	क्रिमेनाटिस दुधवानेन्सिस	अनुरा	राहको— फोराइड	कक्रमेनाटिस	दुधवानेन्सिस	अज्ञात

उत्तर प्रदेश में चिन्हित किए गए 64 सरीसृपों में क्रोकाडाईल व घड़ियाल के साथ ही सर्पों की 35, सरीसृप की 15 व छिपकली की 12 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। सर्पों की 35 प्रजातियों में 24 प्रजातियाँ सूचीबद्ध की गई जिनमें 16 विषैली, 17 विषहीन व 2 अज्ञात प्रजातियाँ हैं। सूची निम्न प्रकार है:—

# 1. उत्तर प्रदेश में पाए गए सरीसृपों की सूचीः

उत्तर प्रदेश के विषैले व विषहीन सर्प

क्रम	सामान्य नाम	वैज्ञानिक नाम	आर्डर	सब आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियाँ
सं०					3		
1	रेटीकुलेटेड पॉईथन	पाईथन रेटीकुलेटेड	स्क्वामाटा	ओफीडिया	पाइथोनाईडे	पाईथन	रेटीकुलेटेड
2	इण्डियन रॉक पाईथन	पाईथन मोलूरस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	पाइथोनाईडे	पाईथन	मोलुरस
3	रेड सैण्ड बोआ	एरिक्स जॉनी	स्क्वामाटा	ओफीडिया	बोइडे	एरिक्स	जॉनी
4	कॉमन वुल्फ स्नेक	लाईकोडेन ऑलीकस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	बोइडे	लाइकोडोन	आउलीकस
5	हिमालयन पिट वाइपर	ग्लोइडियस हिमालयन्स	स्क्वामाटा	ओफीडिया	वाइपेरीडे	ग्लोइडियस	हिमालयानस
6	रसेल्स वाइपर	डाबोइया रसेली	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एल्पाइडे	डाबोइया	रू <i>सेलाई</i>
7	किंग कोबरा	ऑफियोफेगस हन्नाह	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एल्पाइडे	ऑफियो— फेगस	हन्नाह
8	वाल्स सिन्ड करैत	बुंगारस सिंडानसवल्ली	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एल्पाइडे	बुंगारस	संडानसवल्ली
9	सीबोल्ड्स स्मूथ स्केल्ड वॉटर स्नेक	एन्हाईड्रिस सीबोल्डाइ	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	एन्हाईड्रिस	सीबोल्डाई
10	कॉमन स्मूथ स्केल्ड वॉटर स्नेक	एन्हाईड्रिस एन्हाईड्रिस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	एन्हाईड्रिस	एन्हाईड्रिस
11	कॉमन वाईन स्नेक	अहेक्चुला नासाउटा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	अहेक्चुला	नासाउटा
12	लीथ्स सैण्ड स्नेक	सेमोफिस लीथिआई	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	सेमोफिस	लीथिआई
13	कोंडानारस सैण्ड स्नेक	सेमोफिस कोंडानारस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	सेमोफिस	कोंडानारस
14	चेकर्ड कीलबैक	जीनोक्रोफिस पिस्काटोर्न	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	जीनोक्रोफिस	पिस्काटोर्न
15	बारड वुल्फ स्नेक	लाइकोडॉन स्ट्राइटस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	लाइकोडॉन	स्ट्राइटस
16	बेन्डेड रेसर	आरगाइरोजेन फिसियोलाटा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	आरगाइरोजेन	फेसियोलाटा
17	कॉमन ट्रिन्केट स्नेक	कोएलोगोनाथस हेलेना	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	कोएलोगो— नाथस	हेलेना हेलेना
18	कॉमन सैण्ड बोआ	गोन्जीलोफिस कोनीकस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	बोइडे	गोन्जीलोफिस	कोनीकस

क्रम सं०	सामान्य नाम	वैज्ञानिक नाम	सब आर्डर	आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियाँ
19	बीक्ड वॉर्म स्नेक	ग्रिपोटाईलोप्स एक्यूटस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	टाईलोपाइडे	ग्रिइपोटा— ईलोप्स	एक्यूटस
20	ब्राह्मनी वार्म रनेक	रामफोटाइलोप्स ब्रामिनस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	टाईलोपाइडे	रामफोटा— इलोप्स	ब्रामिनस
21	स्पेक्टेकल्ड कोबरा	नाजा नाजा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एल्पाइडे	नाजा	नाजा
22	बेंडेड करैत	बुंगारस फेसियाटस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एल्पाइडे	बुंगारस	फेसियाटस
23	फॉरस्टर्न'स कैट स्नेक	ब्रोइगा फॉरस्टेनी	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	ब्रोइगा	फॉरस्टेनी
24	कॉमन कैट स्नेक	ब्रोइगा ट्राईगोनाटा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	ब्रोइगा	ट्राईगोनाटा
25	ओलिव कीलबैक	एल्ट्रीशियम सिस्टोसम	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	एल्ट्रीशियम	सिस्टोसम
26	कॉमन करैत	बंगारस केयरूलियस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	एलपाइडे	बंगारस	केयरूलियस
27	स्ट्राइप्ड कीलबैक	एम्फियेरमा स्टोलाटम	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	एम्फियेरमा	स्टोलाटम
28	रसेल्स कुकरी स्नेक	ऑलीगोडॉन टेनियोलेटस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	ऑलीगोडॉन	टायनियो— लेटस
29	इंडियन रैट स्नेक	त्यास म्यूकोसा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	त्यास	मुकोसा
30	बर्मीस पाईथन	पाईथन मोरूलस बिविटाटस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	पाइथिनीडे	पाईथन	मोरूलस बिविटाटस
31	कॉमन ब्रॉज बैक ट्री स्नेक	डेंड्रेलाफिस द्रिस्टिस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	<i>डेंड्रेलाफिस</i>	ट्रिस्टिस
32	येलो स्पेकल्ड वोल्फ स्नेक	लाइकोडोन जारा	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	लाइकोडोन	जारा
33	मॉक वाईपर	सेमोडाइनास्टस पिलवेरूलेन्टस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	सेमोडाइनास्टर	म पिल्वे— रूलेन्टस
34	केंटरस ब्लेक हेडेड स्नेक	सिबनोफिस सेजीटेरियस	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	सिबनोफिस	सेजीटेरियस
35	बार नेकेड कीलबैक	जेनोक्रोफिस शेनुरेनबर्गेरी	स्क्वामाटा	ओफीडिया	कोलूब्राइडे	जेनोक्रोफिस	शेनुरेनबर्गेरी

# उत्तर प्रदेश में पाए गए कछुओं की सूची :

36	ट्राईकेरीनाटा हिल टर्टल	मेलोनोचेलिस ट्राईकारीनाटा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	मेलानोचेलिस ट्राईकारीनाटा
37	ब्राउन रूड टर्टल	पंगसुरा स्म्थिआई	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	पंगसुरा रिमथआई
38	क्राउन्ड रिवर टर्टल	हर्डेला थुर्जी	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिड	हर्डेला थुर्जी

क्रम सं०	सामान्य नाम	वैज्ञानिक नाम	आर्डर	सब आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियाँ
39	थ्री स्ट्राइप्ड रूड टर्टल	बाटागुर धोंगोका	टेस्टू— डाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिड	बाटागुर	धोंगोका
40	स्पॉटेड पान्ड टर्टल	जियोक्लेमिस हेमिल्टोनी	टेस्टू— डाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	जियोक्लेमिस	हेमिल्टोनी
41	इंडियन पीकॉक सॉट शेल टर्टल	निल्सोनिया हुरम	टेस्टू— डाइन्स	क्रिप्टोडीरा	ट्राईओनी– काडे	निल्सोनिया	हुरम
42	पेन्टेड रूड टर्टल	बाटागुर कचुगा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	बाटागुर	कचुगा
43	इंडियन साट शेल	निल्सोनिया गैंजेटिक्स	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	ट्राईओनीकाडे	निल्सोनिया	गैंजेटिक्स
44	इंडियन आईड टर्टल	मोरेनिया पेटेरसी	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	मोरेनिया	पेटेरसी
45	इंडियन ब्लैक टर्टल	मेलानोकाईलिस ट्राईजुगा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	मेलानो— काईलिस	ट्राईजुगा
46	इंडियन रूड टर्टल	पंगशुरा टेक्टा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	पंगशुरा	टेक्टा
47	इलोन्गेटेड टारटाइज	इंडोटेस्टुडो इलोन्गाटा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	इंडोटेस्टुडो	इलोन्गाटा
48	इंडियन नैरो हेडेड साट शेल टर्टल	चित्रा इंडिका	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	ट्राईओनीकाडे	चित्रा	इंडिका
49	इंडियन टेन्ट टर्टल	पंगशुरा टेंटोरिया	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	पंगशुरा	टेंटोरिया
50	इंडियन लैप शेल टर्टल	लिस्सेमिस पंक्टाटा	टेस्टूडाइन्स	क्रिप्टोडीरा	जिओ— गिमाइडिडे	लिस्सेमिस	पंक्टाटा

## उत्तर प्रदेश में रिपोर्ट किए गए घड़ियाल व क्रोकोडाइल

51	क्रोकोडाईल	क्रोकोडाइलस	क्रोको– डाईलिया	क्रोको— डाईलिडे	क्रोकोडाइलस	पालुस्ट्रिस	पालुस्ट्रिस
52	घड़ियाल	गेवियालिस गैंजेटिक्स	क्रोको– डाईलिया		क्रोकोडाईलिडे	गेवियालिस	गैं जेटिक्स

## उत्तर प्रदेश में रिपोर्ट की गई लिजार्ड

53	छिपकली	हेमीडाक्टिलस लेविविराइडिस	स्क्वामाटा	साउरिया	गेक्कोनाइडे	हेमीडाक्टिलस	लेविवि— राइडिस
54	ब्रुक्स गेको	,	स्क्वामाटा	साउरिया	गेक्कोनाइडे	हेमीडाक्टिलस	`
55	सदर्न हाउस गेको	हेमीडाविटलिस फ्रेनाटस	स्क्वामाटा	साउरिया	गेक्कोनाइडे	हेमीडाक्टिलस	फ्रेनाटस

क्रम सं०	सामान्य नाम	वैज्ञानिक नाम	आर्डर	सब आर्डर	कुल	जीनस	प्रजातियाँ
56	कॉमन गार्डन लिजार्ड	केलोट्स वर्सीलर	स्क्वामाटा	इगुआनिया	एगामाइडे	कैलोट्स	वर्सीकोलर
57	कॉमन ब्राह्मनी स्किंक	इयूट्रोपिस कारीनाटा	स्क्वामाटा	साउरिया	सिनसाइडे	इयूट्रोपिस	कारीनाटा
58	रनेक रिकंक	लिगोसोमा पंक्टेटस	स्क्वामाटा	साउरिया	सिनसाइडे	लिगोसोमा	पंक्टेटस
59	येलो मॉनीटर	वारानस लेवेसेन्स	स्क्वामाटा	लेसरटिलिया	वारानिडे	वारानस	लेवेसेन्स
60	मॉनीटर लिजार्ड	वारानस	स्क्वामाटा	लेसरटिलिया	वारानिडे	वारानस	वारानस
61	डेजर्ट मॉनीटर	वारानस ग्रिसकस	स्क्वामाटा	लेसरटिलिया	वारानिडे	वारानस	ग्रिसकस
62	जेर्डन'स ब्लंड सकर	कैलोट्स जर्डोनी	स्क्वामाटा	इगुआनिया	अगामाइडे	कैलोट्स	जर्डोनी
63	फॉरेस्ट केलोट्स	केलोट्स रोक्सी	स्क्वामाटा	इगुआनिया	अगामाइडे	केलोट्स	रोक्सी
64	फ्रिल्ड हाऊस गेको	कोसिमबोट्स प्लेटीयूरस	स्क्वामाटा	अज्ञात	गेकोनाइडे	कोसिमबोट्स	प्लेटीयूरस



सामान्य नाम : इण्डियन टेन्ट टर्टल वैज्ञानिक नाम : *पंगशुरा टेंटोरिया* 



सामान्य नाम : बैण्डेड करैत वैज्ञानिक नाम : *बुंगारस फेसियेट्स* 



सामान्य नाम : इण्डियन बुलफॉग वैज्ञानिक नाम : *होप्लोबैट्रेकस टिगैरीनस* 



सामान्य नाम : कॉमन इण्डियन मॉनीटर वैज्ञानिक नाम : वारानस बेंगालेन्सिस



सामान्य नाम : कॉमन ब्राह्मनी स्किन्क वैज्ञानिक नाम : इयूट्रोपिस केरीनाटा



सामान्य नाम : मगर वैज्ञानिक नाम : *क्रोकोडाईलस पालुस्ट्रिस* 

### 2. उत्तर प्रदेश में लाईकेन्स की प्रगणना

राज्य के लाईकेन पादप के सम्बन्ध में अपर्याप्त जानकारी, पारिस्थितिकीय अनुकूल प्राकृत—वास, विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र के दृष्टिगत राष्ट्रीय वनस्पित अनुसंधान, लखनऊ को उत्तर प्रदेश के लाईकेन के अध्ययन का कार्य दिया गया। अध्ययन का उद्देश्य सम्पूर्ण प्रदेश में लाईकेन विविधता को अभिलिखित करना था किन्तु प्रारम्भ में उत्तर प्रदेश के पूर्वी जनपदों में अध्ययन किया गया। यत्र तत्र बिखरे हुए लाईकेन के संकलन से अध्ययन प्रारम्भ किया गया जिसके परिणामस्वरूप 90 लाईकेन प्रजातियों का संकलन किया गया। अगले चरण में दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे विशाल हर्बेरियम सी०एस०आई०आर०— राष्ट्रीय वानस्पितक अनुसंधान संस्थान (एल०डब्लू०जी) में उपलब्ध सामग्री का संकलन किया गया। अभी तक न पहचाने जा सके उत्तर प्रदेश के लाईकेन के नमूनों की पहचान करना सम्मलित है।

पूर्व में प्रदेश में रिपोर्ट किए गए कुछ लाईकेन की ठीक पहचान सुनिश्चित करने के लिए उनका पुनर्परीक्षण किया गया। कई लाईकेन का नाम निर्धारण वर्तमान ज्ञान / विकास के अनुसार किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 36 जनपदों में 100 से अधिक क्षेत्रों से लगभग 2250 नए लाईकेन नमूनों को एकत्र किया गया। मानक प्रकियाओं व वर्तमान साहित्य के आलोक में सूक्ष्मदर्शी द्वारा इन नमूनों का गहन अध्ययन किया गया।

अध्यययन से 173 टैक्सा (170 प्रजातियाँ व 3 किस्में) पाए गए जो 29 फैमिली व 54 जेनेरा से सम्बन्धित है। 85 टैक्सा उ०प्र० में प्रथम बार अभिलिखित किए गए जबिक 9 भारत में नए थे। पूर्व में मात्र 15 जनपदों में लाईकेन के अभिलेखीकरण के सापेक्ष उत्तर प्रदेश के 71 जनपदों में से 36 जनपदों में लाईकेन पाए गए। इन 36 जनपदों में लखनऊ में लाईकेन की सर्वाधिक 55 प्रजातियाँ, बहराईच में (51 प्रजातियाँ) व सोनभद्र में (46 प्रजातियाँ) पाई गई। गोण्डा, उन्नाव व पीलीभीत मे एक—एक लाईकेन प्रजाति पाई गई।

उत्तर प्रदेश के लाईकेन पादप प्रजातियों में विविधता, फंक्शनल ग्रुप, वृद्धि प्रारूप व सबस्ट्रेटम प्रिफरेन्स का विश्लेषण किया गया। प्रदेश में सर्वाधिक संख्या में क्रस्टोज लाईकेन पाए गए, इसके 119 टेक्सा का प्रतिनिधित्व पाया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में स्क्वामुलोस टेक्सा की 30 प्रजातियाँ पाई गईं। फोलियोस लाईकेन मध्यम संख्या (15 प्रजातियाँ) पाई गईं जबिक प्लेकोडियोड (5 प्रजातियाँ) व लेप्रोस (4 प्रजातियाँ) का प्रतिनिधित्व कम संख्या में है।

### भारत के लाईकेन वितरण का नवीन आलेख



ओपेग्राफा एस्ट्रिया



पेल्टुला कोटीकोला



फाईलोप्चुला स्टैपी



ग्राफिस जापानिका



लाईकीनेला फ्लेक्सा



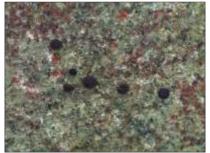
रामोनिया माइक्रोस्पोरा

पाईरेनोकार्पस (27 प्रजातियाँ), लिकानोरोइड (27 प्रजातियाँ), ग्रेफीडेसियस (21 प्रजातियाँ), बेसीडियोड (18 प्रजातियाँ), बाफाईसियोड (19 प्रजातियाँ), साईनोलाईकेन्स (18 प्रजातियाँ) की उपलब्धता बहुतायत में होना प्रदेश की उष्णकटिबंधीय व आर्द्र जलवायु का संकेतक है। यह पाया गया कि लाईकेन अपने सबस्ट्रेटम के लिए विशिष्ट हैं तथा अधिकांश (119 प्रजातियाँ) वृक्षों की छाल पर बढ़ती है। यद्यपि बहुत अधिक संख्या में लाईकेन (49 प्रजातियाँ) चट्टानी सबस्ट्रेटम जिसमें पुराने भवनों व स्मारकों का चूना सीमेण्ट प्लास्टर सम्मलित हैं, में पाए जाते हैं। स्ट्रिगुला प्रजाति आम के पत्तों पर पाई जाती है। जीनस वेक्तकेरिया से सम्बन्धित एक नवीन प्रजाति प्रदेश में तीन रंगों की लाईकेन की एक मात्र प्रजाति है। केवल दो प्रजातियाँ डिरीनारिया ऐजिलिटा व परमोट्रेमा प्रेसोरेडियोसम ऐसी हैं जो चटटान व छाल दोनों स्थानों में पाई जाती है।

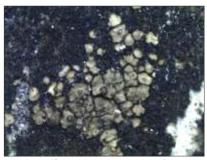
लाईकेन के 173 टैक्सा में से अधिकांश उपलब्धता की दृष्टि से दुर्लभ हैं तथा जिनका प्रतिनिधित्व 5 नमूनों से भी कम है, जबिक इनमें से 61 सामान्य रूप से पाई जाती हैं। कुल 19 प्रजातियाँ बहुत सामान्य हैं प्रदेश के कई जनपदों में वृक्षों के तनों व चट्टानों के सबस्ट्रेटम में इनकी वृद्धि बहुत अच्छी है। आर्थोपाईरेनिया निडुलान्स, आर्थोथेलियम ओबनार्म, कैल्पोलाका बेसिया, पेल्चुला इयूप्लोका, पाईक्सिल कोकोइस व रिनोडिना ऑक्सीडॉटा प्रदेश में बहुतायत से पाई जाने वाली लाईकेन प्रजातियाँ हैं।



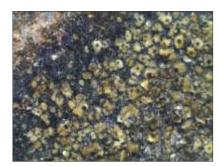
एनिसोनेरीडियम कालसीकोलम उप्रेती व नायका



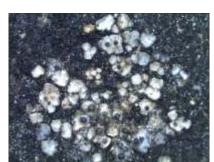
*बेसीडिया इनुनडाटा* (एफ आर) क्रोबर



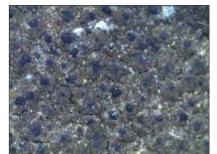
एन्डोकार्पोन नानम ए. सिंह व उप्रेती



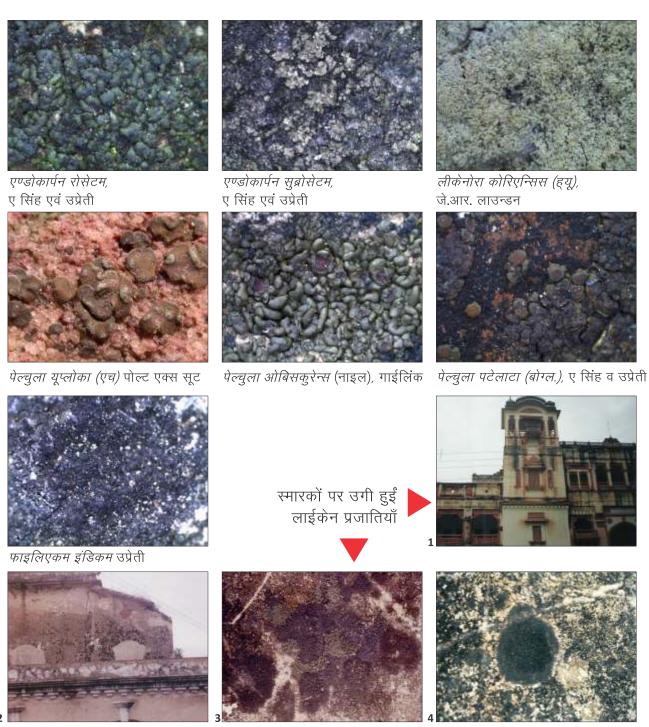
एण्डोकार्पन निग्रोजैनाटम, ए.सिंह व उप्रेती



एण्डोकेप्रोन पेलीडम ऐश



एण्डोकेप्रोन पुसीलम हेडव.



1.बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (वाराणसी)— एक पुराने भवन के क्षेतिज पैरापेट में लाईकेन की दुर्लभ वृद्धि 2. रामनगर किला गेट (वाराणसी) लाईम प्लास्टर की दीवाल में लाईकेन की प्रचुर वृद्धि 3. खुसरोबाग (इलाहाबाद) की लाईम प्लास्टर की दीवाल में एण्डोकार्पन फाइलिसकम प्रजाति बढ़ती हुई 4. फाइलिसकम इंडिकम — बहू बेगम मकबरा (फैजाबाद) में दीवाल के ऊर्घ्वाकार व क्षेतिज अभिमुख में एक सामान्य लाईकेन

## 3. डेवलेपमेन्ट ऑफ उत्तर प्रदेश बायोडाइवर्सिटी डाटाबेस इन्फॉरमेशन सिस्टम (यू०पी०बी० आई०एस) के लिए साहित्य सर्वेक्षण के माध्यम से पादप विविधता का अभिलेखीकरण

यह अध्ययन बीरबल साहनी पेलियोबॉटनी संस्थान, लखनऊ द्वारा किया गया। इस प्रस्तावित कार्य का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में उपलब्ध पादप प्रजातियों का डाटाबेस विकसित करना था।

इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश की सम्पूर्ण पादप विविधता का अद्यावधिक अभिलेख तैयार करना है। प्रदेश में उपलब्ध प्रकाशित साहित्य के माध्यम से उत्तर प्रदेश में पौधों की 1047 जेनरा व 2884 प्रजातियाँ (निम्न एवं उच्च) अभिलिखित की गई। उक्त का विवरण निम्नानुसार हैं:—

क्रम सं०	पादप समूह	जेनेरा	प्रजातियाँ
1	एल्गी	50	300
2	लाईकेन्स	28	88
3	फंजाई	196	935
4	ब्रायोफाइट्स	36	72
5	टेरीडोफाइट्स	21	44
6	जिम्नोस्पर्म	2	3
7	एन्जियोस्पर्म	714	1442

आँकड़े : डब्लूडब्लूडब्लू.यूपीबीआईओडीआईवीईआरएसआईटीवाई.कॉम

## 4. झाँसी, लिलतपुर, जालौन व महोबा में गिद्धों के विश्राम व प्रजनन स्थलों का अनुश्रवण

यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग ने किया। अध्ययन में प्रदेश में गिद्धों के प्राकृतिक प्रजनन स्थलों का परीक्षण किया गया। चार चयनित जनपदों झाँसी, लिलतपुर, जालौन व महोबा में गिद्धों की प्रजातियों व उनके प्रजनन व विश्राम स्थलों के चिन्हीकरण हेतु सर्वेक्षण किया गया।

चयनित क्षेत्र में संभावित गिद्ध उपलब्धता वाले क्षेत्रों को चिन्हित करने के लिए ऑकड़े एकत्र किए गए। सड़क पर चलते हुए सड़क सर्वेक्षण में देखे गए गिद्धों या सड़क के किनारे कंकालों की गणना की गई। प्रत्येक कॉलोनी में प्रजनन योग्य जोड़ों की गणना हेतु कालोनियों का सर्वेक्षण किया गया। क्षेत्र व सुविधा के अनुसार पैदल या वाहन से घोंसला सर्वेक्षण पद्धित अपनाई गई। गिद्ध प्रजनन कॉलोनी निर्धारित करने के लिए गिद्धों के अपरोक्ष चिन्ह यथा गिरे पंख व व्हाईट वॉश खोजे गए। ग्रामवासियों, स्थानीय पशुपालकों व स्थानीय निवासियों के साक्षात्कार व उनके समूहों के साथ विचार विमर्श सूचना के मुख्य स्रोत के रूप में उपयोग किए गए।

विश्व में गिद्धों की 22 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियाँ हैं। उत्तर प्रदेश में गिद्धों की 8 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में 3 गिद्ध प्रजातियाँ जिप्स इंडिकस (भारतीय गिद्ध या लम्बी चोंच),

नियोफ्रोन परक्नोप्टेरस (इजिप्शियन गिद्ध) व सारकोजिप्स कैल्वस (लाल सर वाला गिद्ध या किंग वल्चर) पाई गई।



जिप्सम इंडिकस (भारतीय गिद्ध या लम्बी चोंच)



नियोफ्रोन परक्नोप्टेरस (इजिप्शियन गिद्ध)



सारकोजिप्स कैल्वस (लाल सर वाला गिद्ध या किंग वल्चर)

अध्ययन क्षेत्र में गिद्धों के 10 प्रजनन व 12 विश्राम स्थल देखे गये, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

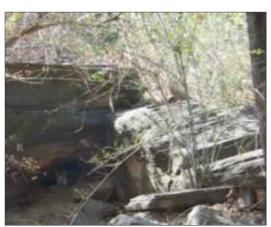
क्रम सं	o जनपद का नाम	प्रजनन स्थल	विश्राम स्थल
1	झाँसी	04	05
2	ललितपुर	04	05
3	जालौन	02	02
4	महोबा	-	-
	योग	10	12

### अध्ययन क्षेत्र में गिद्धों का प्रजातिवार विवरणः

	जिप्स इंडिकस (भारतीय गिद्ध या लम्बी चोंच वाला गिद्ध)	नियोफोन परक्नोप्टेरस (इजिप्शियन गिद्ध)	सारकोजिप्स कैल्वस (लाल सर वाला गिद्ध) या किंग वल्वर	गिद्धों की संख्या
झाँसी	85.90	60.70	2.4	30%(2)
ललितपुर	250.275	10.15	2.3	55%(1)
जालौन	_	70.80	_	15%(3)
महोबा	_	4.5	_	(4)
योग	335.365	144.170	4-7	
	69%	3	1%	

अध्ययन क्षेत्र में गिद्धों की अनुमानित संख्या ४८३—५४२ पाई गईं।

# अध्ययन क्षेत्र में गिद्धों के घोंसले







क्रम सं०		घों सला स्थल (10)	अभिलिखित किए घों	सलों की संख्या
			2011	2012
1	झाँसी	1. सिपरी बाजार में लहरगढ़ 2. मोंठ 3. पृथ्वीपुर नयाखेड़ा, बबीना	5—6	40—45
2	ललितपुर	4. धौरा बीट 5. मदनपुर पूर्वी बीट 6. गौथ्रा बीट 7. देवगढ़ 8. गरहौली	120-130	120—130
3	जालीन	9. चेल्ही 10. कोटरा	_	25-30
4	महोबा	रिक्त	_	

## प्रदेश में गिद्ध संरक्षण के सुझावों में सम्मलित हैं:

- 1. भ्रमण में चिन्हित विश्राम व प्रजनन स्थलों का निरन्तर अनुश्रवण।
- 2. कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षित व संवेदनशील बना कर वर्ष में दो बार नवम्बर—दिसम्बर व मार्च—अप्रैल में गिद्ध गणना की जाए।
- 3. विशाल वृक्ष व छोड़े गए घोंसलों का संरक्षण। देखा गया है कि गिद्ध द्वारा सेमल, अर्जुन व पीपल वृक्षों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, इन वृक्षों का रोपण कार्य।
- 4. वल्चर रेस्टोरेन्ट की स्थापना।
- 5. संरक्षण विषयों पर व्यापक जनजागरूकता उत्पन्न करने हेतु अध्ययन में स्थानीय समुदाय के लिए शैक्षणिक जागरूकता कार्यक्रम पर भी बल दिया जाए।
- 6. वन, पर्यटन, पुरातत्व, कृषि, शिक्षा व राजस्व जैसे विभागों के मध्य समुचित समन्वय।
- 7. पशुचिकित्सकों को प्रशिक्षण।
- 8. गणना व जागरूकता प्रयासों में स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- 9. जिस क्षेत्र में गिद्ध अधिकतम संख्या में हैं वहाँ एक पुनर्वास केन्द्र का रखरखाव प्रारम्भ करना।
- 10. प्रदेश के समस्त जनपदों को शामिल करते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में इसी प्रकार का अध्ययन करवाया जाए।
- 11. गिद्ध संरक्षण विषय में जागरूकता फैलाने हेतु विश्व गिद्ध दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाए।

विश्राम स्थल 11 (स्थल जहाँ अधिकांश प्रजनन न करने वाली संख्या मिलती है)

क्रम सं०		घों सला स्थल (10)
1	झाँसी	<ol> <li>सिपरी बाजार में लहरगढ़</li> <li>मोंठ</li> <li>पृथ्वीपुर नयाखेड़ा, बबीना</li> <li>भगवंतपुरा</li> </ol>
2	ललितपुर	5. धौरा बीट 6. मदनपुर पूर्वी बीट 7. गौथा बीट 8. देवगढ़ 9. गरहौली
3	जालौन	10. कोटरा 11. उरई



भगवंतपुरा झाँसी में विश्राम करते हुए इजिप्शियन गिद्ध

## 5. उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में क्षमता से कम उपयोग किए गए जंगली खाद्य पौध संसाधनों का मूल्य निर्धारण व चित्र सहित संसाधन सूची तैयार करना :

राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान (सी०एस०आई०आर०) लखनऊ की लोक वनस्पति विज्ञान व पारिस्थितिकीय प्रमाग द्वारा अध्ययन किया गया। पीलीभीत, लखीमपुर—खीरी, बहराईच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर एवं महराजगंज जनपदों में अध्ययन किया गया। इन जनपदों में थारू जनजाति अधिक संख्या में निवास करती है। वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं, भोजन की आवश्यकताओं पोषक तत्वों व भोजन के पूरक के रूप में बहुत सी पादप प्रजातियों का उपयोग करते हैं। अध्ययन के दौरान कई जनजाति ग्रामों व वन क्षेत्रों का विभिन्न मौसम में सर्वेक्षण किया गया। अनुभवी व ज्ञान रखने वाले थारू बुजुर्गों का साक्षात्कार लेकर क्षमता से कम उपयोग किए जा रहे ऐसी जंगली खाद्य पादपों का स्वाद, बनावट, गंध, पाए जाने वाले विटामिन एवं खनिज की मात्रा की दृष्टि से क्षमता का अभिलेखीकरण किया गया जो भविष्य में भोजन के रूप में प्रयुक्त किए जा सकते हों। भविष्य के संदर्भ व अध्ययन हेतु प्रमाणित नमूने एकत्रित, प्रसंस्करित व चिन्हित किए गए तथा सी एस आई आर—एन बी आर आई के हर्बेरियम में रखे गये। 83 जेनेरा व 57 फैमिली के लगभग 100 पादप नमूने अभिलिखित किए गए।

# रिपोर्ट किए गए क्षमता से कम उपयोग किए जा रहे उत्तर प्रदेश के जंगली खाद्य पादपों की सूची

क्रम सं०	वैज्ञानिक नाम	फैमिली	क्रम सं०	वैज्ञानिक नाम	फैमिली
1	अगेरिकस कैम्पेस्टिस	अगेरीकेसी	38	डिलेनिया पेंटागाईना	डिलीनियेसी
2	एलेन्जियम साल्वीफोलियम	एलेंजियेसी	39	डायोस्पाईरस एस्कुलेटम	एबेनेसी
3	एलोयवेरा	लिलियेसी	40	डिप्लेनियम एस्कुलेटम	एथीरियेसी
4	अमरान्थस स्पिनोसस	अमारन्थेरसी	41	डायरकोरिया बुल्बीफेरा	डायोस्कोरियेसी
5	अमरान्थस विरीडिस	अमारन्थेरसी	42	डायस्कोरिया ग्लाबरा	डायोस्कोरियेसी
6	अमोरफोफेलस पावनीफोलस	अरेकेसी	43	डायस्कोरिया हिस्पिडा	डायोस्कोरियेसी
7	एम्पेलोसियस लेटीफोलिया	विटेसी	44	डायस्कोरिया पेण्टाफिला	डायोस्कोरियेसी
8	एंथोसिफेलस चिनेन्सिस	रूबेसी	45	इट्रीशिया लेविस	एथ्रीसियेसी
9	एंटीडेस्मा एसीडम	यूफोरबिएसी	46	एम्बालिका ऑफीसिनेलिस	यूफोरबियेसी
10	अरीसेमा टोर्टूसम	अरेसी	47	एरियोग्लोसम रूबीजिनोसम	सैपिन्डेसी
11	आर्टीकार्पस लकुछा	मोरेसी	48	फाइकस बेंगालेंसिस	मोरेसी
12	अस्परागस रेसीमोसस	लिलियेसी	49	फाईकस हिस्पिडा	मोरेसी
13	एवर्रहोआ कराम्बोला	ऑक्जेलिडेसी	50	फाईकस पामेटा	मोरेसी
14	बसेला अल्बा	बसेलियेसी	51	फाईकस रेसीमोसा	मोरेसी
15	बाहुनिया वाहिली	सिजलपिनेसी	52	फाईकस वाइरेन्स	मोरेसी
16	बाहूनिया वेरीगाटा	सिजलपिनेसी	53	लेकोर्सिया इण्डिका	लाकाउरटियेसी
17	बोएरहाबिया डियूजा	नाइक्टेजिनेसी	54	लेकोर्सिया जेंगोमास	लाकाउरटियेसी
18	बॉम्बेक्स सीबा	बॉम्बेकेयसी	55	ग्रीविया हेनेसियाना	टिलियेसी
19	बोरासस लेबीलिफर	अरेकेसी	56	ग्रीविया हिरसुटा	टिलियेसी
20	ब्रिडेलिया स्क्वामोसा	यूफोर बियेसी	57	ग्लाईकोरमसं माउरीटियाना	रूटेसी
21	बुकानानिया लेंजान	अनारकेडियेसी	58	हिल्मिंथोस्टेकिस जेलानिका	ओफियोग्लोरसयेसी
22	ब्यूटिया मोनोस्पर्मा	फेबेसी	59	होलोरीना पबसेन्स	एपोसाइनेसी
23	केंजुलिया अक्सीलरिस	अस्टेरियेसी	60	आइयोमिया एक्वेटिका	कान्वोल्वयूलेसी
24	कैपारिस जिलानिका	कैप्रेसी	61	ल्यूकस अस्परा	लेमियेसी
25	कारीसा ओपाका	एपोसियेसी	62	लिमोनिया एक्सीडिसीमा	रूटेसी
26	सेण्टीला एशियाटिका	एपियेसी	63	ल्यूफासिलेंड्रिका	कुकुरबिटेसी
27	केनोपोडियम अल्बम	केनोपोडिएसी	64	मधुका लौंगीफोलिया	सेपोटेसी
28	क्लोरोफाईटम ट्यूबरोसम	लिलियेसी	65	मनीकारा हेक्सेंड्रा	सेपोटेसी
29	कोसीनिया ग्रांडिस	कुकुरबिटेसी	66	मार्सीलिया मिनिएटा	मार्सीलेसी
30	कोमेलीना बेंगालेन्सिस	कोमेलियनेन्सी	67	मिलिउसा बेलूशियाना	एनोनेसी
31	कॉर्डिया डिकोटोमा	बोरेजिनेसी	68	मोमोर्डिका डायोका	कुकुरबिटेसी
32	कॉस्टसपेसियस	जिंजीबेरेसी	69	मोरिंगा ओलियोफेरा	मोंरिगगेसी
33	क्रोटोलारिया जुनेसिया	फेबेसी	70	मोरिंगा कोईनिगी	मोरेसी
34	कुरकुलिगो आर्कियोडेस	एमारिलिडेयसी	71	मुख्या कोएन्जी	रूटेसी
35	कर्कुमा अंगुस्टीफोलिया	जिंजीबेरेसी	72	नेल्सोनिया केसेन्स	एकेन्थेसी
36	डेंड्रोकैलामस स्ट्रिक्टस	पोएसी	73	नेलुम्बो नुसीफेरा	निलम्बोनेसी
37	डाइजेरा म्यूरीकाटा	अमारांथेसी	74	निम्फोया नाउकेलिया	निम्फेइयेसी

	4-0-	-4C-0
क्रम —	वैज्ञानिक नाम	फैमिली
सं०		
75	निम्फोया स्टेलाटा	निम्फेइयेसी
76	ऑफियोग्लोसम रेटीकुलेटम	ऑफीग्लोसेसी
77	ऑक्जेलिस कार्नीकुलाटा	ऑक्जालीडेसी
78	फोनिक्स सिल्वेस्ट्रिस	अरकेसी
79	फाईलेन्थस फ्रेटरनेस	यूफोरबिएसी
80	फाईसेलिस मिनिमा	सोलेनेसी
81	पिथेसिलोबियम डल्सी	मिमोसी
82	पोर्टूलाका ओलेरीसा	पोर्टूलेकेसी
83	पोर्टूलाका क्वाड्रीफिडा	पोर्टूलेकेसी
84	प्यूरेरिया टूयूबेरोसा	फेबेसी
85	रूमेक्स डेटाटस	पोलीगोनेसी
86	स्लाईचेरा ओलियोसा	सेपिंडेसी
87	सेमीकार्पस एनाकार्डियम	एनाकार्डियेसी
88	शोरिया रोबस्टा	डिप्टेरोकार्पेसी
89	सोलेनियम नाइग्रम	सोलेनेसी
90	स्पोन्डियस पिन्नाटा	एनाकार्डेसी
91	स्टर्कूलिया विलोसा	स्टर्कुलेसी
92	साइजिजियम सेरासोइडेस	मिर्टेकेसी
93	साइजिजियम क्यूमनाई	मिर्टेकेसी
94	टर्मिनेलिया बेलारिका	कॉर्म्बेटेसी
95	ट्राईएन्थेमा पार्टूलेकेस्ट्रम	एलजोएसी
96	विसिया सटाइवा	फेबेसी
97	जेरोमफिस उलीजिनोसा	रूबेसी
98	जिजिफस मार्टीइयाना	रेमेनेसी
99	जिजिफस ओएनोप्लिया	रेमेनेसी
100	जिजिफस रूगोसा	रेमेनेसी



एवराहोआ काराम्बोलाः कच्चा फल खाने योग्य है



फलाकोर्सिया जंगोमासः फल खाने योग्य है



लिमोनिया एक्सीडिसीमाः कच्चा फल खाया जाता है



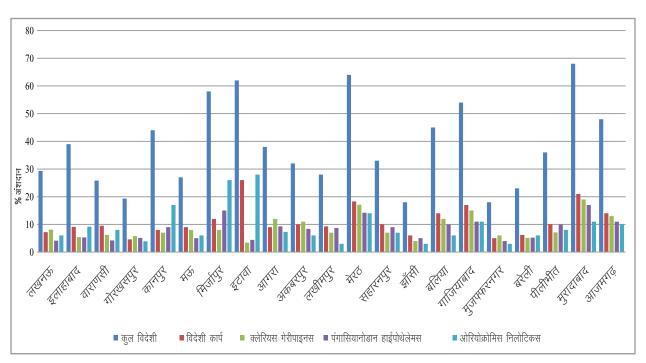
मनीकार हेक्सेंड्राः पका फल खाने योग्य है

## (बी) वर्तमान में चल रही परियोजनाएँ :

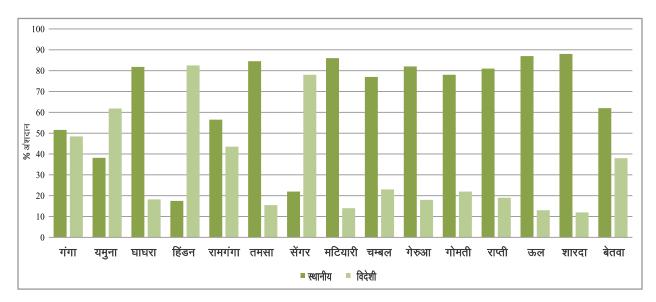
मार्च, 2011 में बोर्ड द्वारा दो वर्षों के लिए निम्न परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। प्रत्येक परियोजना की प्रगति का विवरण निम्नानुसार है —

 उत्तर प्रदेश में आक्रामक मत्स्य प्रजातियों का सूचीकरण, प्रभाव का मूल्यांकन एवं संकट का प्रसार:-

यह अध्ययन नेशनल ब्यूरो आफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (आई०सी०ए०आर०) लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान अध्ययन में उपलब्ध आक्रामक मत्स्य प्रजातियों को सूचीबद्ध करना व विभिन्न जलीय स्थलों / निदयों में इनके प्रभावों का अभिलेखीकरण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के 38 जनपदों में बहुत अधिक संख्या (7500 संख्या) में पाई जाने वाली मछिलयों की 11 बाह्य प्रजातियाँ व 3 विदेशी संकर (हाईब्रिड) प्रजातियाँ अभिलिखित की गईं। चाईनीज कार्प जिनमें ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प व कॉमन कार्प जैसी विदेशी प्रजातियाँ सम्मिलत हैं का उत्तर प्रदेश में वाणिज्यिक मत्स्य पालन में महत्वपूर्ण योगदान है। इस अध्ययन में बहुत सी निदयों, रिजर्वायर, झीलों व वेटलैण्ड्स में विदेशी प्रजातियाँ, उपलब्धता व संख्या की दृष्टि से बहुत अधिक पाई गई जिसे स्थानीय मत्स्य विविधता की निरन्तरता की दृष्टि से गम्भीर माना गया। विदेशी मत्स्य प्रजातियाँ व्यवहार में अधिक प्रभावी व आकामक होने के कारण उनमें स्थानीय मत्स्य प्रजातियों को अलग—थलग समाप्त करने की क्षमता है।



उत्तर प्रदेश में पायी जाने वाली कुल एवं विभिन्न विदेशी मत्स्य प्रजातियों का बाजार में अंशदान



उत्तर प्रदेश की विभिन्न नदियों में विदेशी मत्स्य प्रजातियों की आवृत्ति एवं अंशदान

इन निदयों में विगत दिवस तिलिपया व कॉमन कार्प के आक्रमण व बढ़ती संख्या ने स्थानीय निदयों से स्थानीय वाणिज्यिक महत्व की प्रजातियों विशेषकर भारतीय मेजर कार्प को समाप्त कर दिया है।



उत्तर प्रदेश में सामान्य रूप से शोभाकार विदेशी मछलियाँ

### 2. उत्तर प्रदेश में कुकुरबिट जैवविविधता का अन्वेषण व अभिलेखीकरण तथा इससे निकाले गए परिणाम

सब्जी विज्ञान विभाग, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद ने यह अध्ययन किया। सम्पूर्ण प्रदेश में यात्रा व भ्रमण कर प्रदेश में महत्वपूर्ण व कम विदोहित कुकुरिबट जैवविविधता के अस्तित्व के अन्वेषण का प्रयास किया गया। कुकुरिबट के मुख्य जीवित अंगों के जेनेटिक निर्धारक गुणों, संरचनात्मक निर्धारक गुणों व प्रतिरोधक क्षमता का वर्णन व फोटोग्राफी के माध्यम से गुणों का वर्णन व अभिलेखीकरण किया गया। प्रदेश के कुछ कुकुरिबट की क्षेत्र विशिष्ट उच्च उत्पादक प्रजातियों का स्थल निर्धारण हेतु प्रयास किया गया। प्रदेश में कुकरिबट कृषकों के खेतों, ग्राम के घरों व झोपिड़यों, कस्बों व शहरों एवम् सड़क किनारे यात्रा व भ्रमण द्वारा कुकरिबट की फसल / कुछ जंगली प्रजातियों का अन्वेषण किया गया। प्रदेश के विभिन्न बहुमूल्य कुकरिबट प्रजातियों की वैभिन्नता का वर्णन व फोटोग्राफी के माध्यम से फसलों के प्रेक्षणों का एकत्रीकरण व अभिलेखीकरण किया गया। कुछ अतिमहत्वपूर्ण व अद्वितीय जेनोटाईप कुकरिबट का संरक्षण व मूल्यांकन नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद में किया गया। इसके अतिरिक्त बहुमूल्य जेनोटाईप बीजों का एकत्रीकरण व उनको नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लान्ट जेनेटिक रिसोर्सेज, नई दिल्ली के नेशन जीन बैंक में जमा किया गया।

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में किए गए सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ कि बॉटल गार्ड, स्पाँज गार्ड, सतपुतिया, प्वांइटेड गार्ड, आईवी गार्ड, तितलौकी, मस्कमिलन में बहुत अधिक विविधता पाई जाती है। विभिन्न कुकरिबट के बहुत अधिक जेनोटाईप यथा बॉटलगार्ड, कद्दू, स्पाँज गार्ड, ऐश गार्ड, प्वाइंटेड गार्ड, आई वी गार्ड, मस्कमिलन, लॉग मेलॉन, स्नैप मैलोन, खीरा, सतपुतिया आदि का अभिलेखीकरण किया गया।



फैजाबाद से एकत्र किए गए बॉटल गार्ड जेनोटाईप में दो फल लगे हुए



कुशीनगर जनपद में एकत्रित स्पॉज गार्ड जेनोटाईप में एण्ड्रोजाईनस फूल



सुल्तानपुर जनपद में पाई तितलोकी की जंगली किरम जेनोटाईप

## पूर्वी उत्तर प्रदेश में पाए गए कुकरबिट की विभिन्न जेनोटाईप

खोज के निष्कर्षों के आधार पर कृषिकरण के विशिष्ट स्थल में इन सीटू संरक्षण व एन०बी०पी०जी०आर०, नई दिल्ली में दीर्घावधि संरक्षण की संस्तुति की जाएगी। उदाहरणार्थ लखनऊ बट्टी का खरबूजा (मस्कमिलन), जौनपुरी करेला, लखनवी ककड़ी, कैम्पियरगंज का कुन्दरू, फैजाबादी लौकी के संरक्षण पर विशेष ध्यान वांछित है।

# 3. उत्तर प्रदेश के घास के मैदानों में बंगाल फ्लोरीकन (*हाऊबारोप्सिस बेंगालेन्सिस*) की प्रास्थिति व प्राकृतवास मूल्यांकन

जून 2011—12 में भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून उत्तराखण्ड ने उत्तर प्रदेश में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, किशनपुर वन्य जीव विहार, पीलीभीत आरक्षित वन क्षेत्र व लग्गा—बग्गा में बंगाल फ्लोरिकन की वर्तमान प्रास्थिति का सर्वेक्षण किया। बंगाल फ्लोरिकन संवेदनशील लुप्तप्राय प्रजाति की सूची में सूचीबद्ध है। क्षेत्र कार्य तीन विभिन्न मौसम में किया गया। पहला सर्वेक्षण फ्लोरिकन के प्रजनन मौसम (अप्रैल 2011) दूसरा सर्वेक्षण प्रजनन पूर्व मौसम (अक्टूबर 2011— जनवरी 2012) व तीसरा सर्वेक्षण प्रजनन मौसम (फरवरी 2012—मई 2012) में किया गया। फ्लोरीकन की संख्या व वर्तमान प्रास्थिति के अध्ययन हेतु व्यवहार अध्ययन के लिए फोकल एनीमल सैम्पलिंग के साथ एरिया सर्च विधि अपनाई जा रही है। वेजीटेशन क्वाइरेन्ट सैम्पलिंग विधि का उपयोग कर प्राकृतवास पैरामीटर एकत्र किए गए। एम एस एक्सल, पी सी आर्ड एवं एस पी एस एस जैसे सामान्य सांख्यिकी उपकरण का उपयोग करते हुए ऑकड़ों का विश्लेषण किया गया। समस्त अध्ययन स्थलों में शीर्ष प्रजनन मौसम में प्रास्थिति सर्वेक्षण किया गया। प्रत्येक क्षमतावान घास के मैदान में बारम्बार खोज करने के उपरान्त केवल 3 नर वयस्क फ्लोरीकन अभिलिखित किए गए। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के दो स्थलीय नर व पीलीभीत आरक्षित वन से एक नर फ्लोरीकन उड़ता हुआ पाया गया। मादा को देखना और अधिक कठिन था अतः संख्या का अनुमान नर मादा में समान अनुपात पर आधारित था।

वनस्पति आवरण नमूनों का आंकलन दोनों मौसम में किया गया। पूर्व प्रजनन मौसम में समस्त संभावित घास के मैदान के टुकड़ों को 3 विभिन्न पादप समुदाय जिनमें क्रमशः डेस्मोटेशिया बाई पिन्नाटा, इम्परेटा सिलिन्ड्रिकल व थेमेडा अरूनडेनिसिया प्रमुख थे जबिक प्रजनन मौसम में 4 विभिन्न प्रकार के पादप समुदाय पाए गए। एक अलग समुदाय वह था जिसमें सैकरम नरेंगा प्रमुख प्रजाति है।

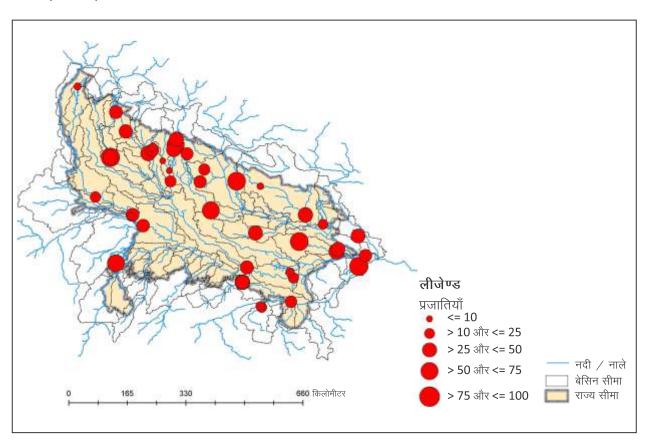
अध्ययन में व्यवहार सम्बन्धी किया कलापों के 3 समुच्चय अभिलिखित किए गए। प्रेक्षण से ज्ञात हुआ कि फ्लोरीकन अपना अधिकतम समय (52.32 प्रतिशत) भोजन में व्यतीत करते हैं। 6 दिवसों के अंतराल पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि भोजन (38.53 प्रतिशत) व विचरण (44.04 प्रतिशत) में समान समय व्यतीत करते हैं जबिक तीसरे अध्ययन में पाया गया कि वे अधिकतम समय (76.67 प्रतिशत) विचरण में व्यतीत करते हैं जिसमें दर्शाई गई गतिविधियों में मादा की खोज प्रमुख है।

# 4. उत्तर प्रदेश की ताजे जल की मत्स्य की जैवविविधता का जर्म प्लाज्म अन्वेषण मूल्यांकन एवं अभिलेखीकरण:

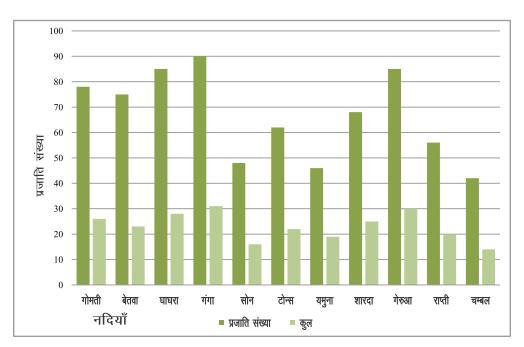
यह अध्ययन नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज (आइ०सी०ए०आर०) लखनऊ ने किया। उत्तर प्रदेश में 12 मुख्य निदयों 7 सहायक निदयों, रिजर्वायर को शामिल करते हुए 12 बाधों एवं 4 झीलों / तालाबों में तीव्र अन्वेषण किया गया। अध्ययन में मत्स्य विविधता, प्रजाति संगठन, वितरण एवं सापेक्ष उपलब्धता अभिलिखित की गईं। उत्तर प्रदेश में अन्वेषित की गई समस्त निदयों में ताजे जल की कुल जैवविविधता में 26 फैमिली से सम्बन्धित 124 मूल प्रजातियाँ व 7 विदेशी प्रजातियाँ पाई गईं। कुल मिलाकर

गंगा में उच्च प्रजाति विविधता (90 प्रजातियाँ), घाघरा में 85 प्रजातियाँ, गोमती में 78 प्रजातियाँ, बेतवा में 75, शारदा में 68, टोन्स में 62, राप्ती में 63, चम्बल में 52 तथा सोन में 50 अभिलिखित की गई। 12 निदयों का शेनोन—वीनर जैवविविधता सूचकांक आगणित करने पर गंगा में प्रजातियों की सर्वाधिक जैवविविधता (4.14), उसके पश्चात् गेरूआ में (4.17), घाघरा में (4.16) व गोमती नदी में (4.16) पाई गई। ताजे जल की मत्रय ग्लाईप्रोथोरेक्स कीन्ट्रोसट्रिस का नया जैव भौगोलिक क्षेत्र, गंगा नहर में सूचित व उल्लिखित किया गया था। संकटग्रस्त कैटिफिश एम्बलीसेप्स मैंगोइस (फैमिली एम्बली साइपिटेडी) नए वितरण क्षेत्रों गंगा, गोमती व रामगंगा निदयों में अभिलिखित की गई।

आई०यू०सी०एन० (2012) के अनुसार प्रजातियाँ विभिन्न निदयों व सहायक निदयों में विभिन्न वर्गों में मूल्यांकित प्रजातियाँ वर्गीकृत की गईं। 10 प्रजातियाँ संकटापन्न (नीयर थ्रेटेंड एन०टी०), 1 संकटापन्न, (वी०यू०), 78 न्यूनतम (एल०सी०), 2 आँकड़ों की कमी (डी०डी०) जबिक 34 प्रजातियाँ मूल्यांकन नहीं (एन०ई०) श्रेणी में सम्मलित की गईं।



उत्तर प्रदेश में विभिन्न मत्स्य प्रजातियाँ का अन्वेषण व उपस्थित स्थलों को दर्शाता हुआ जी आई एस मानचित्र



उत्तर प्रदेश की चयनित नदियों में मत्स्य की कुल एवं प्रजातियों की बाहुल्यता को दर्शाता बार डाइग्राम



क्षेत्र अन्वेषण व मत्स्य विविधता का निर्धारण

## 5. पूर्वी उत्तर प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में फसल उत्पादन व संरक्षण में आई टी के (स्थानिक तकनीकी ज्ञान) का उपयोग :

यह अध्ययन शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 3 मुख्य उद्देश्यों i) विन्ध्यन क्षेत्र में प्रभावी कृषि में गहन सर्वेक्षण व स्थानिक तकनीकी ज्ञान का एकत्रीकरण ii) कृषक के खेत में इन स्थानिक तकनीकी ज्ञान का अभिलेखीकरण व मान्यता देना एवं कृषकों के खेत में किए जा रहे स्थानिक तकनीकी ज्ञान के उपयोग के अभिलेखों का प्रति परीक्षण कर मान्यता देना iii) प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों, प्राप्त जानकारियों को सम्मलित करते हुए कृषक सहभागी अनुसंधान के माध्यम से क्षेत्र विशिष्ट, तकनीकों को उत्पन्न करने का आज्ञापत्र, को सम्मलित करते हुए माह अक्टूबर 2011 में वास्तविक परियोजना कार्य प्रारम्भ हुआ।

आउट रीच कार्यक्रम में कृषक सहभागी सर्वेक्षण, प्रासंगिक फसल (2011—2012) में प्रयोगशाला में प्रयोग व अभिलेखीकरण सम्मलित है। क्रियाशील क्षेत्र में अधिक वर्षा होने के कारण क्षेत्र के कृषकों के पास वाटर हार्वेस्टिंग का अवसर है जिसे कृषि लाभ के साथ सम्बद्ध किया जा सकता है।





पूर्वी उत्तर प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में खेती व्यवस्था का विकास



लौकी की खेती का बाँस आधारित बोअर व्यवस्था



प्रायोगिक क्षेत्र में दक्षता विकसित करने हेतु स्थानिक तकनीकी ज्ञान सीखते हुए विद्यार्थी

इस परियोजना के अन्तर्गत लगभग 25000 कृषकों व 1000 विद्यार्थियों ने प्रायोगिक क्षेत्र का भ्रमण किया। स्थानीय समुदाय के स्थानीय ज्ञान पद्धित से बहुत अधिक सीखा जा सकेगा। इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद व आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय कृषि में देखा गया है। पारिस्थितिकीय तन्त्र में अवनती—करण लाए बिना इन ज्ञान पद्धितियों का उपयोग कर पारम्परिक कृषि का प्रयोग भली भाँति कर रहे हैं।

नई परियोजनाएँ दिसम्बर 2012 में बोर्ड ने निम्न परियोजनाओं को दो वर्षों के लिए स्वीकृति प्रदान की:—

		•	
क्रम सं०	परियोजनाओं का नाम	संस्थान का नाम	परियोजना की कुल लागत (लाख में)
1	इंवेटोराइजेशन ऑफ एरोमेटिक प्लान्ट स्पेसीज, देयर स्टेटस एण्ड एसेसमेण्ट ऑफ एरिया अण्डर कल्टीवेशन ऑफ एशेन्सियल ऑयल बियरिंगक्राप्स इन सम डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ अपर गैन्जेटिक प्लेन	सेण्ट्रीय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीसिनल एण्ड एरोमेटिक प्लान्ट्स (सीमैप), लखनऊ	12.95
2	स्टेटस डिस्ट्रीब्यूशन एण्ड थ्रेट्स विद स्पेशल एम्फेसिस ऑन कंजर्वेशनल मेजरस ऑफ हाऊस स्पैरो (पासर डोमेस्टिकस) इन अरबन एण्ड रूरल एरियाज ऑफ लखनऊ डिस्ट्रिक्टस ऑफ उत्तर प्रदेश	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	11.38
3	एससमेण्ट ऑफ फ्लोरल एण्ड फॉनल बायोडाइवर्सिटी आफ 4 एक्वेटिक इकोसिस्टम्स ऑफ बर्ड सेंक्चुरीज (वेटलैण्ड्स) इन उत्तर प्रदेश यूजिंग हाई रेजोल्यूशन रिमोट सेंसिग डाटा एण्ड जी आई एस टेक्नीक	रिमोट सेन्सिंग अप्लीकेशन्स सेण्टर, यू.पी. सेक्टर जी, जानकीपुरम्, कुर्सी रोड, लखनऊ	20.17
4	किरोप्ट्रान डाइवर्सिटी एण्ड कंजरवेशन इन उत्तर प्रदेश	बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, विद्याविहार, रायबरेली रोड, लखनऊ	22.97
5	फिश डाइवर्सिटी ऑफ रामगढ़ एण्ड बखीरा लेक कम्पेरीजन ऑफ प्रेजेन्ट स्टेटस विद प्रिस्टाइन डाटा ऑफ कंजरवेशन एण्ड सस्टेनेबल यूटीलाईजेशन	नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज, कैनाल रिंग रोड, तेलीबाग, लखनऊ	14.99
6	एसेसमेण्ट ऑफ सेजेस् बेस्ड ऑन माइक्रो मार्फो— लॉजिकल केरेक्टर्स फूडवेल्यू एण्ड पोंटेंशियल रोल इन फाइटो रेमीडिएशन इन वेटलैण्ड्स ऑफ उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	11.84
7	डाइवर्सिटी, डिस्ट्रीब्यूशन एण्ड एथनो बॉटनी ऑफ टेरीडोफाईट्स एण्ड हेपाटिके (ब्रायोफाइट्स) इन दुधवा नेशनल पार्क इन उत्तर प्रदेश एण्ड बार्डरिंग रीजन्स	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, सीएसआईआर, लखनऊ	14.76

## अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस -2012

#### अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस-2012

#### समुद्रीय जैवविविधता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी :

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड ने डा० राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के परिसर में 22 मई, 2012 को अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस (आई बी डी—2012) को समारोहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर 'मेरीन बायोडाइवर्सिटी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न अनुसंधान संगठनों / संस्थानों, विश्वविद्यालय, उ०प्र० वन विभाग व अन्य प्रदेश के अधिकारियों एवं स्वैच्छिक संस्थानों आदि को सम्मलित करते हुए 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य समुद्र के प्रति जागरूकता एवं समुद्री वन्यजीवन व जैवविविधता को संरक्षित करने हेतु किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करना था। संगोष्ठी का शुभारम्भ **डा० सईद अजमल खान**, प्रोफेसर एमीरेट्स सेण्टर ऑफ एडवान्स्ड स्टडीज इन मेरीन बॉयोलाजी, अन्नामलाई विश्वविद्यालय परान्जीपेट्टी तमिलनाडु थे।

श्री जे०एस० अस्थाना, प्रमुख वन संरक्षक, उ०प्र० ने संगोष्ठी में उपस्थित सम्मानीय अतिथियों व प्रतिनिधि मण्डलों का स्वागत करते हुए स्वागत सम्बोधन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 3,30,000 समुद्रीय प्रजातियाँ चिन्हित की जा चुकी हैं किन्तु अभी भी हजारों प्रजातियों की खोज होनी है। उन्होंने समुद्रो पर बढ़ते प्रदूषण पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि इस हेतु जागरूकता फैलाना आज समय की आवश्यकता है।

श्री राजेश कुमार सिंह, सचिव (पर्यावरण एवं वन) व अध्यक्ष, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने कहा कि तटीय क्षेत्रों में 65 प्रतिशत घासें व प्राकृतवास लगभग नष्ट हो चुका है तथा लगभग 80 प्रतिशत समुद्री मत्स्य भण्डार विदोहित या अतिविदोहित है। उन्होंने यह भी कहा कि जैवविविधता संरक्षण का अध्याय कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के पाठय कृम में शामिल किया जाना चाहिए।

अतिथि व्याख्यान **डा० जे०के० जेना**, निदेशक, नेशनल ब्यूरो ऑफ जेनेटिक रिसोर्सेज, लखनऊ ने समुद्रीय मत्स्य जैविविधता एवं इसके प्रबन्ध पर दिया। समुद्री संसाधनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 20.2 मिलियन वर्ग कि०मी० ई०ई०जेड० के साथ भारत का समुद्र तट 8129 कि०मी० लम्बा है तथा हमारे देश की मत्स्य उत्पादन क्षमता 3.9—4.2 मिलियन टन के मध्य है। उन्होंने कहा कि अरब सागर विश्व के सर्वाधिक उत्पादक सामुद्रिक क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक भारत की जलीय जैविविधता का सम्बन्ध है, यहाँ 2508 मत्स्य (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 7.4 प्रतिशत), 2934 क्रस्टेशियंस (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 7.4 प्रतिशत), 5070 मोलस्कस (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 6.00 प्रतिशत), 765 एकीनोडर्म्स (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 10.9 प्रतिशत), 486 स्पान्जेस, 842 स्नीडेरियन्स (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 8.4 प्रतिशत), 844 सी वीड्स (विश्व में पाई जाने वाली प्रजातियों का 4.2 प्रतिशत), पाई जाती हैं। उनके अनुसार जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र में विद्यमान जैविक संसाधनों को मुख्य खतरा इंजन चालित वाहनों, तरुण व कम आयु के जीवों को अविवेकपूर्ण ढंग से पकड़ना, कम मूल्य की मछिलयों को फेंक देना, तटीय प्रदूषण एवं प्राकृतवास परिवर्तन से है। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाएँ व जलवायु परिवर्तन, समुद्रीय जैवविविधता को क्षति पहुँचाए जाने वाले मुख्य कारक हैं।

इस अवसर पर श्री पवन कुमार, सचिव, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ ने कहा कि भारत के लिए वर्ष 2012 महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष हैदराबाद में होने वाली सी०बी०डी०की०सी०ओ०पी० 11 (कान्फ्रेन्स ऑफ पार्टीज) का मेजबान भारत है। इस वर्ष, पर्यावरण व विकास पर हुए रियो सम्मेलन की 20वीं वर्षगाँठ, जैवविविधता पर सम्मेलन (सी०बी०डी०) की 20वीं वर्षगाँठ तथा वर्ष 1972 में स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की 40वीं वर्षगाँठ भी है। ऐची लक्ष्य व समुद्रीय जैवविविधता के मध्य सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने ऐची लक्ष्य के लक्ष्य 6, लक्ष्य 10 व लक्ष्य 11 पर विस्तृत विचार प्रकट किए। अपने सम्बोधन में उन्होंने श्रोताओं का ध्यान समुद्र की भूमिका की ओर आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि समुद्र हमारे द्वारा उत्पन्न कार्बन डाई ऑक्साईड को अवशोषित कर संतुलित करने हेतु सिंक के रूप में कार्य करने, खनिज पदार्थ उपलब्ध करवाने के साथ ही ऐसे बहुत से लाभ प्रदान करता हैं जिनकी जानकारी हमें अभी तक नहीं है। प्रस्तुतीकरण समाप्त करने के पूर्व उन्होंने समुद्रीय जैवविविधता संरक्षित करने हेतु चिन्ता व्यक्त करते हुए मछलियों का अधिक शिकार, प्रदूषण, समुद्र का अम्लीकरण, भू मण्डलीय तापमान में वृद्धि, प्राकृतवास क्षरण व गहरे जल में खनन जैसे संवेदनशील बिन्दुओं पर विचार प्रकट किए।

मुख्य अतिथि **डा० सई द अजमल खान**, प्रोफेसर एमिरेट्स ने अपने सम्बोधन में भोजन, चारा, मसाले, सौन्दर्य प्रसाधन, कपड़ा उद्योग में तन्तु, ईंधन आपूर्ति आदि में जैवविविधता के महत्वपूर्ण मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समुद्र में पाए जाने वाले जीवो की संख्या धरती पर पाए जाने वाले जीवों से अधिक है। उन्होंने कहा कि 35 समुद्री जीवों में 14 स्थल विशेष तक सीमित हैं जहाँ केवल कुछ प्रजातियाँ दुर्लभ जीव जन्तु भी हैं। वार्ता को सी फूड के महत्व पर केन्द्रित रखते हुए उन्होंने कहा कि अन्य समस्त जन्तु प्रोटीन स्त्रोतों के सापेक्ष सी फूड श्रेष्ठ होता है। उन्होंने कोरल, मैंग्रूव, सी ग्रास बेड, सी वुड स्ट्रेचेज, चट्टान व सैंड ड्यून्स जैसे महत्वपूर्ण समुद्रीय प्राकृतवास के सम्बन्ध में विस्तार से अवगत कराया। डा० खान ने कोरल, कोरल रीफ, बटर लाई फिशेज, एंजेल फिशेज, कॉर्डिनल फिशेज व ग्रुपर जैसे समुद्रीय जैवविविधता की सुन्दर स्लाइडें दिखाईं। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक दवाओं का 70 प्रतिशत जैवविधिता से प्राप्त होता है। समुद्र, एंटीबायोटिक के रूप में उपयोग होने वाले विभिन्न बैक्टीरिया का स्त्रोत है।

संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र में देहरादून से आए श्री समीर सिन्हा ने समुद्री जैवविविधता का अवैध व्यापार पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने वन्यजीव व्यापार की अत्यधिक मूल्य की चर्चा करते हुए अवगत कराया कि जनता द्वारा वन्य जन्तु अथवा पादप की बिकी अथवा आदान प्रदान वन्यजीव व्यापार के अन्तर्गत आता है। इसमें जीवित वन्य प्राणी या पौधे अथवा खाल, औषधीय अवयव, पर्यटकों हेतु आकर्षक कलाकृति, प्रकाष्ठ, मत्स्य व अन्य भोजन सामग्री जैसे उत्पाद शामिल हैं जिसकी मनुष्य को आवश्यकता अथवा मूल्य है। अधिकांश वन्यजीव व्यापार संभवतः देश की सीमाओं के अन्तर्गत होता है परन्तु बहुत बड़े पैमाने पर वन्यजीव व्यापार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैफिक (टी०आर०ए०एफ० एफ०आई०सी०) के अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष वन्यजीवों के अवैध व्यापार का मूल्य 10 से 20 बिलयन अमेरिकी डॉलर है।

उन्होंने कहा कि समुद्री कछुए, कोरल्स, सी शेल, सी हार्स, शार्क, व्हेल शार्क, सी ककम्बर, जीवित रीफ मत्स्य जैसी समुद्री प्रजातियों का व्यापार मुख्य रूप से होता है। भारतीय जल क्षेत्र में शार्क की लगभग 70 प्रजातियाँ पाई जाती हैं जबकि मात्र 18 प्रजातियाँ ही कभी—कभी या बार—बार पकड़ी जाती हैं। कुछ शार्क प्रजातियाँ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची में सूचीबद्ध हैं। विलम्ब से परिपक्व, कम संख्या में बच्चे देने व अधिक आयु तक जीवित रहने जैसे जैविक अभिलक्षणों के कारण शार्क विशेष रूप से अतिविदोहन से प्रभावित है। उन्होंने बताया कि धरती पर प्राणि जगत व पादप जगत की एक मिलियन प्रजातियाँ विद्यमान हैं जबिक 8 मिलियन प्रजातियाँ अभी भी खोजी जानी हैं। पृथ्वी पर सर्वाधिक वैविध्यपूर्ण व मूल्यवान पारितन्त्र में कोरल रीफ इकोसिस्टम शामिल है। जीवित रीफ फिश व्यापार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में 2 मिलियन लोग समुद्री एक्वेरिया रखते हैं।

यह वैश्विक व्यापार कई मिलियन डॉलर का उद्योग है। अनुमान है कि इसका मूल्य प्रतिवर्ष 200 से 330 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार 147 समुद्री मत्स्य प्रजातियों का व्यापार किया जा रहा है। इनमें से प्रत्येक प्रजाति का विश्व व्यापार का वार्षिक अनुमान 20 से 24 मिलियन डॉलर है।

**डा० के ०सी० गोपी**, विरष्ठ वैज्ञानिक, जूलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, इंडियन म्यूजियम कॉम्प्लेक्स कोलकाता ने ''भारत की तटवर्ती व समुद्री जैवविविधता विषय पर अतिथि भाषण दिया। समुद्र तट पर स्थित 10 राज्यों, 800 कि०मी० लम्बा तटीय क्षेत्र, 2 द्वीप समूह व 3 खाड़ी क्षेत्रों को शामिल करते हुए उन्होंने भारत के समुद्री पर्यावरण का प्रस्तुतीकरण किया। विभिन्न तटीय व समुद्रीय पारिस्थितिकीय तन्त्रों का वर्णन करते हुए डा० गोपीचन्द ने कहा कि मैंग्रोव पारिस्थितिकीय तन्त्र में 420 पादप व 1862 पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं। सी ग्रास पारिस्थितिकीय तंत्र से संयुक्त जैवविविधता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 153 माइक्रो एलगी, 359 मैक्रो एलगी, 178 बिना रीढ वाले जीव सी ग्रास इससे सम्बन्धित जीवधारियों व मछिलयों पर निर्भर हैं। लगभग 340 पशु सी ग्रास खाते हैं, ग्रीन टर्टल आंशिक रूप से सी ग्रास खाते हैं। इसके अतिरिक्त सी वीड्स की 844 प्रजातियाँ भी भारत के समुद्री पारिस्थितिकीय तन्त्र में विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में 3—10 मिलियन जैवविविधता में से मात्र 1.7 मिलियन प्रजातियों की ही पहचान हो सकी है जबिक विश्व में 3 लाख अनुमानित समुद्री प्रजातियों में से लगभग 80,000 प्रजातियों (3.12 प्रतिशत) ही अब तक चिन्ह्त हो सकी हैं। विश्व में अनुमानित समुद्री प्रजातियों में से भारत में 5.33 प्रतिशत (15,000) भारत में पाई जाती हैं।

ढा० आलोक सक्सेना, अपर निदेशक, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वानिकी अकादमी, देहरादून ने भारत में समुद्री विविधता संरक्षण व प्रबन्ध विचारणीय विषय (अण्डमान व निकोबार के विशेष संदर्भ में) पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि समुद्र का जल धरती के सतह के 70 प्रतिशत भाग को आच्छादित करता है तथा जीवन को बनाए रखने हेतु आयतन के अनुसार 99 प्रतिशत हेतु उत्तरदायी है। कुल अभिलिखित समुद्री प्रजातियाँ (पादप व पशु दोनों) धरती में पाए जाने वाले प्राकृतवास से कम है जिसका मूल कारण नमूना एकत्रित करने व अन्वेषण में आने वाली बाधाएं हैं। लगभग समस्त फाईला समुद्र में पाए जाते हैं जबिक फाईला की कुल संख्या का आधा भाग का ही प्रतिनिधित्व जन्तु फाईला द्वारा किया जाता है। 21 फाईला केवल समुद्री हैं। इसी प्रकार समुद्री पादप जीवन अधिकतम जीवितता रणनीति दर्शाते हैं। भारत की समृद्ध समुद्री जैवविविधता पर केन्द्रित होते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वी व पश्चिमी तट के समुद्री जल, समुद्री पादप विविधता में समुद्री एल्गा (सी वीड्स) की 844 प्रजातियाँ 217 जेनरा, समुद्री घास की 14 प्रजातियाँ व मैंगूव की 69 प्रजातियाँ सम्मलित हैं। समुद्री प्राणि जगत विविधता में स्पांज की 451 प्रजातियाँ, कोरल की 400 से अधिक प्रजातियाँ, क्रस्टेशियन की 2900 से अधिक प्रजातियाँ, समुद्री मौलस्कस की 3370 प्रजातियाँ, ब्रायोजोन्स की 200 से अधिक प्रजातियाँ, समुद्री सर्प की 26 प्रजातियाँ, समुद्री कछुओं की 5 प्रजातियाँ, समुद्री मत्स्य की 1300 से अधिक प्रजातियाँ, समुद्री सर्प की 26 प्रजातियाँ, समुद्री कछुओं की 5 प्रजातियाँ एवं डुगोंग डॉल्फिन व व्हेल आदि समुद्री स्तनपाई की 30 प्रजातियाँ सम्मलित हैं। तट के आसपास समुद्री पक्षियों में बहुत अधिक विभिन्नता पाई जाती है।

भू-गर्भ शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, डा० ध्रुवसेन सिंह ने 'जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि व समुद्री जैवविविधता' (क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल वार्मिंग मेरीन बायोडाइवर्सिटी) विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि ब्रहमांड में विविधता है तथा वहाँ तारे, ग्रह, उपग्रह, ध्रुवतारे, उल्का पिण्ड एवं छोटे ग्रह पाए जाते हैं। हमारा देश भारत विविधता का अनुपम उदाहरण है जहाँ भू भौगोलिक, भाषा, जाति, धर्म आदि की विविधता पाई जाती है। भारत, विश्व के सर्वाधिक जैवविविधता वाले देशों में एक है। यहाँ पश्चिमी घाट व हिमालय के रूप में दो जैवविविधता हॉट स्पॉट हैं। इन हॉटस्पॉट में बहुत सी स्थल विशेष तक सीमित प्रजातियाँ पाई जाती हैं। समुद्री जैवविविधता पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि समुद्री जीवधारी लगभग समस्त जैव भू रासायनिक प्रकिया में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। ये मनुष्य जाति की भलाई हेतू आवश्यक सेवाएं यथा जैव मंडल की निरन्तरता बनाए रखने व विभिन्न उत्पाद व पर्यावरणीय सेवाएं उपलब्ध करवाते हैं। इनमें कार्बनिक सामग्री का खनिजीकरण व उत्पादन, कार्बन भण्डारण, प्रदूषकों व धरती के अपशिष्ट पदार्थों का भण्डारण, जलवायु व जलवायु परिवर्तन हेत् प्रतिरोधक की भूमिका, समुद्री सुरक्षा (मैंग्रूव, बालू वाला समुद्री तट व्यवस्था, कोरल रीफ) सम्मलित हैं। वृहद्स्तर पर निर्वनीकरण व शहरीकरण के कारण पर्यावरण ऐसे अवनतीकरण की ओर बढ़ रहा है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक है किन्तू प्रदूषण मानवजाति है। जैवविविधता की निरन्तरता बनाए रखने हेत् हमारा उद्देश्य प्राकृतिक वस्तुओं के संरक्षण का होना चाहिए। हमें प्राकृतिक संसाधनों, जिसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते, के संरक्षण हेत् विचार व कार्य करना चाहिए।

डा० एस० बालाचन्द्रन, उप निदेशक, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाईटी, मुम्बई ने 'एवियन डाइवर्सिटी इन कोस्टल वेटलैण्डस ऑफ इण्डिया एण्ड देयर कंजरवेशन नीड्स' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकीय तंत्र तटीय पक्षियों की भूमिका में पारिस्थितिकीय तत्र में पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण कर पारिस्थितिकीय तंत्र को वापस करना, ग्वानो डिपोजीशन के माध्यम से पोषक तत्वों में वृद्धि, हानिकारक कीटों व मत्स्य अवशिष्ट का भक्षण कर सफाई करने व रोग वाहकों का नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि भारत में 25 वेटलैण्ड्स रामसर साईट चिन्ह्ति किए गए हैं जिनमें एक उत्तर प्रदेश में है। उ०प्र० के 20 वेटलैण्ड्स जहाँ समृद्ध पादप व प्राणि जगत विद्यमान है में रामसर साईट बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि विश्व में 181 संकटपूर्ण लुप्त प्राय प्रजातियां हैं जिनमें से लगभग 9 भारत में हैं। विश्व में 351 लुप्तप्राय पक्षी प्रजातियों में 12 तथा लगभग 674 संकटापन्न प्रजातियों में से 59 प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं।

#### स्मारिकाः

उद्घाटन सत्र में संगोष्ठी की विषयवस्तु पर स्मारिका का विमोचन किया गया। इसमें समुद्रीय जैवविविधता पर 22 लेख हैं।

### अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2012 की झलकियाँ



अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2012 का शुभारम्भ



समुद्रीय जैवविविधता पर प्रदर्श



संगोष्टी में उपस्थित श्रोतागण

## जागरूकता कार्यक्रम

#### समुद्रीय जैवविविधता प्रतियोगिता 14 मई, 2012 :

जन्तु विज्ञान विभाग की सहायता से उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने रीजनल साइंस सिटी, अलीगंज, लखनऊ में निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित कीं :—

क्रम सं०	प्रतियोगिता का नाम	विषय
1	पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण	समुद्रीय जैवविविधता में अवैध व्यापार
2	पोस्टर प्रतियोगिता	समुद्रीय जैवविविधता का उपयोग
3	क्विज प्रतियोगिता	समुद्रीय जैवविविधता
4	निबन्ध प्रतियोगिता	समुद्र व हमारे दैनिक जीवन में इसका उपयोग

धुव दीक्षित, अभिनव प्रदीप व नीलेश गुप्ता क्विज प्रतियोगिता के विजेता बने। "समुद्री जैवविविधता में अवैध व्यापार" (इल्लीगल ट्रेड इन मेरीन बायोडाइवर्सिटी) पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में विष्णु गुप्ता, कौस्तुभ टण्डन, प्रगति यादव व लेविन रॉय विजेता बने। "समुद्री जैवविविधता का उपयोग" पोस्टर प्रतियोगिता में अविन विक्रम सिंह, विशाल वर्मा, उमामा फातिमा व विशाखा चौधरी एवं निबन्ध प्रतियोगिता में स्नेहा श्रीवास्तव व चारू सिंह विजेता बने।

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर 22 मई, 2012 को मुख्य अतिथि प्रोफे० सैय्यद अजमल खान विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए।









#### पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता

- 1. अवनि विक्रम सिंह, प्रथम पुरस्कार
- 2. विशाल वर्मा, द्वितीय पुरस्कार
- 3. उमामा फातिमा, तृतीय पुरस्कार
- 4. विशाखा चौधरी, सांत्वना पुरस्कार

#### विश्व पर्यावरण दिवस

#### 5 जून, 2012:

5 जून को सम्पूर्ण विश्व में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'ग्रीन इकोनॉमीः डज इट इन्क्लूड यू? विषय वस्तु पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिकप भवन, लखनऊ में पूर्वान्ह 11.00 से अपरान्ह 13.30 के मध्य उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा 'टेन आइडियाज टू मेक लखनऊ क्लीनर एण्ड ग्रीनर' विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गोः किनष्ठ व वरिष्ठ वर्गों में आयोजित की गई। यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा व हरित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध होगा।

#### गिद्ध जागरूकता दिवस, 1 सितम्बर 2012

दिनाँक 1 सितम्बर 2012 को विश्व गिद्ध दिवस पर उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ ने वेबसाईट के माध्यम से फोटो रंगने की प्रतियोगिता आयोजित की। विभिन्न विद्यालयों कॉलेजों से कक्षा 1 से 5 तक विद्यार्थियों की 198 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता निम्नानुसार हैं:

#### कक्षा-1

क्रम र	पंo विद्यार्थी का नाम	विद्यालय का नाम	पुरस्कार
1	रनेहा वर्मा	रिवर साईड एकेडमी, विराम खण्ड—1, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम
2	सताक्षी तिवारी	सिटी मॉन्टेसरी इण्टर कॉलेज, विशाल खण्ड—2, गोमती नगर, लखनऊ	द्वितीय
3	वैभव श्रीवास्तव	एस०जे०एस०स्ट्डी होम कॉलेज, सेक्टर—12, इन्दिरा नगर, लखनऊ	सांत्वना
कक्षा-	—II		
1	अफीफा खान	एस.जे.एस.स्टडी होम कॉलेज, सेक्टर—12, इन्दिरा नगर, लखनऊ	प्रथम
2	फलक मोहसिन	रिवर साईंड एकेडमी, विराम खण्ड—1, गोमती नगर, लखनऊ	द्वितीय
3	कायनात फातिमा	रिवर साईड एकेडमी, विराम खण्ड—1, गोमती नगर, लखनऊ	सांत्वना
कक्ष	Т—ІІІ		
1	नैना सैनी	सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम
2	लक्ष्य गुप्ता	यूनाईटेड पब्लिक स्कूल, कानपुर	द्वितीय
3	तनवीर आलमखान	इरम इण्टरमीडिएट कॉलेज, सी ब्लॉक, इन्दिरा नगर, लखनऊ	सांत्वना
कक्षा-	-IV		
1	देव उपाध्याय	सेठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम
2	अनुपम दत्त चौधरी	रिवर साईड एकेडमी, विराम खण्ड—1, गोमती नगर, लखनऊ	द्वितीय
3	कीर्ति विश्वकर्मा	एस.जे.एस.स्टडी होम कॉलेज, सेक्टर—12, इन्दिरा नगर, लखनऊ	सांत्वना

#### कक्षा-V

क्रम र	मंo विद्यार्थी का नाम	विद्यालय का नाम	पुरस्कार
1	श्रेया	रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, सी ब्लॉक, इन्दिरा नगर, लखनऊ	प्रथम
2	संध्या साहू	रिवर साईंड एकेडमी, विराम खण्ड—1, गोमती नगर, लखनऊ	द्वितीय
3	इशिता टण्डन	स्टडी हॉल, विपुल खण्ड– ॥, गोमती नगर, लखनऊ	सांत्वना

#### साइंस एक्सप्रेस-बायोडाइवर्सिटी स्पेशल (एस०ई०बी०एस०)

'साइंस एक्सप्रेस—बायोडाइवर्सिटी स्पेशल (एस ई बी एस) ए.सी. ट्रेन के 16 कोच में विशेष रूप से डिजाइन की हुई अभिनव चल प्रदर्शनी है। 5 जून से 22 दिसम्बर, 2012 के मध्य इस ट्रेन ने सम्पूर्ण भारत वर्ष में भ्रमण किया। एस ई बी एस प्रतीकात्मक व लीक से अलग साइंस एक्सप्रेस का पांचवा चरण है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (डी एस टी) के परस्पर सहयोग का एस ई बी एस अद्वितीय प्रयास है।

#### गोरखपुर कैण्ट रेलवे स्टेशन : 3 नवम्बर, 2012

साइंस एक्सप्रेस—बायोडाइवर्सिटी स्पेशल (एस०ई०बी०एस०) का स्वागत गोरखपुर कैण्ट रेलवे स्टेशन में श्री रवि रंजन जमुआर, मु०व०सं० गोरखपुर व श्रीमती प्रतिभा सिंह, उप वन संरक्षक, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने किया तथा 14199 विद्यार्थियों तथा 754 अध्यापकों ने भाग लिया।

#### उत्तर रेलवे स्टेशन, लखनऊ 7 नवम्बर, 2012

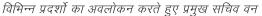
साइंस एक्सप्रेस-बायोडाइवर्सिटी स्पेशल 7 नवम्बर, 2012 को चारबाग जंक्शन, उत्तर रेलवे, लखनऊ में पहुँची। प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन श्री वी० एन० गर्ग., प्रमुख सचिव, वन एवं पर्यावरण, उ०प्र० एवं अध्यक्ष, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने किया। श्री पवन कुमार, सचिव वन व उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्री जे०एस० अस्थाना, प्रमुख वन संरक्षक, उ०प्र०, श्री रूपक डे, प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव), डा० अश्वनी कुमार, प्रमुख वन संरक्षक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण व श्री उमेन्द्र शर्मा, प्रबन्ध निदेशक उ०प्र० वन निगम ने अवसर की शोभा बढाई। उक्त के अतिरिक्त श्री ओ०पी० वर्मा. निदेशक, पर्यावरण, उ०प्र० एवं सदस्य सचिव, उ०प्र० प्रदषण नियंत्रण बोर्ड भी उपस्थित थे। सी०एम० एस०, रिवर साईड एकेडमी एवं टी०डी० गर्ल्स इण्टरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस अवसर में सक्रिय रूप से भाग लिया। लखनऊ में साइंस एक्सप्रेस-बायोडाइवर्सिटी स्पेशल का भ्रमण 46.425 दर्शकों ने किया।

डा० अमिता कनौजिया व जंतु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी उपस्थित थे। सी एम एस के विद्यार्थी आकर्षक तख्तियों (प्ले कार्ड) के साथ आए थे। सी०ई०ई० (उत्तरी क्षेत्र) की डा० प्रीति कनौजिया ने विद्यार्थियों को ''जैवविविधता शपथ'' ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया। उन्हें 'फुट प्रिन्ट' व 'हैण्ड प्रिन्ट' के विचार से भी विस्तार से बताया।



एस ई बी एस को लखनऊ में स्वागत करते हुए श्री वी०एन० गर्ग, प्रमुख सचिव वन एवं श्री जे०एस० अस्थाना, प्रमुख वन संरक्षक, उ०प्र०







एसईबीएस टीम द्वारा प्लेटफार्म गतिविधियों में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

#### विश्व वेटलैण्ड दिवस, 2 फरवरी, 2013





पम्पलेट ब्रोशर

2 फरवरी, 2013 को जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय व एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग बी०बी० अम्बेडकर विश्वविद्यालय की सिक्रय सहभागिता से उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने विश्व वेटलैण्ड दिवस समारोह पूर्वक मनाया। भारत 2 फरवरी 1971 को सम्पन्न वेटलैण्ड सम्मेलन का एक पक्षकार है। अब तक 164 देशों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के 2083 वेटलैण्ड चिन्हित किए गए हैं। वेटलैण्ड दिवस मनाए जाने का उद्देश्य वेटलैण्ड के महत्व व लाभों के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न करना है।

प्रतिभा सिंह (भा०व०से०) उप वन संरक्षक, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में सर्वेक्षण दल को झण्डा दिखाने के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

अध्ययन दल ने लखनऊ जनपद व उसके आस पास के निम्न क्षेत्रों का भ्रमण किया:-

#### दल द्वारा वेटलैण्ड का क्षेत्र अध्ययन

समूह	क्षेत्र का नाम	भ्रमण किए गए वेटलैण्ड	दल नायक व सदस्य	सम्बद्धता
अ	नवाबगंज पक्षी विहार, उन्नाव	<ul> <li>अमौसी हवाई अड्डे के पास सैनिक विद्यालय के सामने</li> <li>नवाबगंज पक्षी विहार उन्नाव</li> <li>बिछिया विकास खण्ड, उन्नाव में पुरेन (असंरक्षित)</li> <li>बिछिया विकास खण्ड उन्नाव में दही तालाब (असंरक्षित)</li> <li>बिछिया विकास खण्ड उन्नाव में मदौसा झील (असंरक्षित)</li> <li>बिछिया विकास खण्ड उन्नाव में मदौसा झील (असंरक्षित)</li> <li>बिछिया विकास खण्ड उन्नाव में रेन (असंरक्षित)</li> </ul>	डा० अमिता कनौजिया सचिन चौधरी (टी०वी०एस० ग्रुप) अखिलेश कुमार शिवांगी मिश्रा सविता पाण्डेय सौरभ चक्रवर्ती	लखनऊ विश्वविद्यालय हरित टेक सर्विस लि. लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय एन०आई०आई०टी० लखनऊ
ब	एस०जी०पी०जी०आई०		पल्लवी गुप्ता शैल तिवारी	शाहजहाँपुर, उ०प्र०, लखनऊ
स	महाराजगंज	<ul> <li>तेलीबाग में नाम रहित– मानव निर्मित</li> <li>दीन दयाल पार्क के पीछे– मानव निर्मित</li> <li>मोहनलालगंज – मानव निर्मित</li> <li>परेवा –प्राकृतिक</li> <li>नरदही गुन्हारी – प्राकृतिक</li> </ul>	सोनिका कुशवाहा रिद्धि पाण्डेय चारू कौशिक नफीस आलम	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
द	गोमती नगर	<ul> <li>अम्बेडकर पार्क के पीछे वेटलैण्ड, गोमती नगर</li> <li>कठौता झील, एमिटी इण्टरनेशनल स्कूल, गोमती नगर</li> </ul>	विश्वजीत कनौजिया अक्षय त्रिपाठी अम्बर रस्तोगी	विश्वकर्मा मेरीटाइम इंस्टीटयूट पुणे विश्वकर्मा मेरीटाइम इंस्टीटयूट पुणे नेशनल पी.जी. कालेज, लखनऊ
य	बख्शी का तालाब	<ul><li>बहेड़ा तालाब, नगर छोंगवा</li><li>चन्दनपुर, महोना</li><li>उनाई ग्राम, हल्दारपुर</li><li>टीकरहार, बाराबंकी</li></ul>	आदेश कुमार आदित्य तिवारी दयानिधि गुप्ता सात्विक सिंह	लखनऊ विश्वविद्यालय हॉर्नर स्कूल, लखनऊ सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, लखनऊ

#### भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों व ग्रामीणों के साथ विचार विमर्श



ग्रामीणों के मध्य विचार विमर्श



ग्रामीणों के साथ दल का विचार विमर्श



विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता



ग्राम में जागरूकता (पैम्फलेट वितरण)



विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम



विद्यार्थियों के साथ विचार विमर्श

इन क्षेत्रों का भ्रमण क्षेत्र संरक्षित के अन्दर (नवाबगंज पक्षी विहार) व बाहर अवस्थित वेटलैण्ड्स की जैवविविधता की तुलना करने हेतु किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं व रामकृष्ण विद्यावती महाविद्यालय सकरन, बिछिया विकास खण्ड उन्नाव के ग्रामवासियों के मध्य परस्पर विमर्श भी हुआ।

क्षेत्र भ्रमण के उपरान्त दिनाँक 07.02.2012 को उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड के सभाकक्ष में पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण भी हुआ। दल ने अपने क्षेत्र के अनुभवों को परस्पर साझा किया। प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र दिया गया।

पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के अतिरिक्त एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग, बी०बी० अम्बेडकर विश्वविद्यालय में वेटलैण्ड्स में जैवविविधता विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। पर्यावरण जीव विज्ञान, एप्लाईड पादप विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, जैव तकनीक, जन संचार पत्रकारिता, एप्लाईड भौतिकी, एप्लाईड रसायन शास्त्र, मानव संसाधन विकास एवं एम०बी०ए० के लगभग 150 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

विश्व वेटलैण्ड्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 256 विद्यार्थियों, शोध छात्रों व संकाय सदस्यों ने भाग लिया। श्रीमती प्रतिभा सिंह (उप वन संरक्षक, यू०पी०एस०बी०बी०) ने 'वेटलैण्ड व जैवविविधता संरक्षण में इनका महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया।

डा० वी० एलांगोवान (समन्वयक डी०ए०एस०एस०) ने जलीय जैवविविधता पर विचार व्यक्त किए। डा० राम जी श्रीवास्तव (विरष्ठ वैज्ञानिक, यू०पी०एस०बी०बी०) प्रतियोगिता के निर्णायक थे। विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कार वितिरत किए गए। श्री अमर ज्योति दास, पर्यावरणीय सूक्ष्म जीव विज्ञान (इन्वायरमेण्टल माइक्रोबॉयलाजी), सुश्री स्नेहा वर्मा, एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग एवं सुश्री दिलप्रीत कौर, एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। श्री स्मृति मल्होत्रा पर्यावरणीय विज्ञान विभाग व सुश्री हर्षिता पाण्डेय, एप्लाईड पशु विज्ञान विभाग ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

### विश्व गौरय्या दिवस 20 मार्च, 2013

विश्व गौरय्या दिवस के अवसर पर 20 मार्च, 2013 को उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड व जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रीजनल साइंस सिटी में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों के मध्य गौरय्या संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

लगभग 120 विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता "अपनी गौरय्या के लिए एक घर डिजाईन करो व रंगो" तथा 80 विद्यार्थियों ने क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं में कुल 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। गौरय्या संरक्षण पर विद्यार्थियों व अध्यापकों के मध्य हैण्डबिल व पम्फलेट वितरित किए गए। उक्त के अतिरिक्त समाचार पत्रों के माध्यम से जन सामान्य से गौरय्या गणना कर बोर्ड के ई मेलः upstatebiodiversityboard@gmail.com में भेजने का अनुरोध किया गया। जन सामान्य से प्राप्त प्रतिकिया अत्यन्त उत्साहवर्धक रही।

प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं की सूची निम्नानुसार है:-

### प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं की सूची पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता

#### वर्ग कक्षा VI से VIII

विद्यार्थी का नाम	कक्षा	विद्यालय का नाम	पुरस्कार
हर्षी लाल	7	सेंट एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम
अंजली आब्दी	8	ला मार्टीनियर गर्ल्स कालेज, लखनऊ	द्वितीय
अविरल छारिया	8-बी	सेंड एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	तृतीय
सोनम अग्रवाल	7	सेंठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	सांत्वना



हर्षी लाल, प्रथम पुरस्कार



अंजली आब्दी, द्वितीय पुरस्कार



अविरल छारिया, तृतीय पुरस्कार



सोनम अग्रवाल, सांत्वना पुरस्कार

#### वर्ग कक्षा 9 से 12

निहित वर्मा	11-बी	सेठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम
मोनालिसा गुप्ता	11-बी	सेठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	प्रथम

पलक पोद्दार	11-बी	सेठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	द्वितीय
इरम खान	12	ला मार्टीनियर गर्ल्स कालेज, लखनऊ	तृतीय
जिलियन एलीजाबेथ	12-ई	सेंड एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	सांत्वना
आरूषि सिंह	9	सेठ एम०आर० जयपुरिया स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ	सांत्वना



मोनालिसा गुप्ता, प्रथम पुरस्कार



इरम खान, तृतीय पुरस्कार,



पालक पोद्दार, द्वितीय पुरस्कार

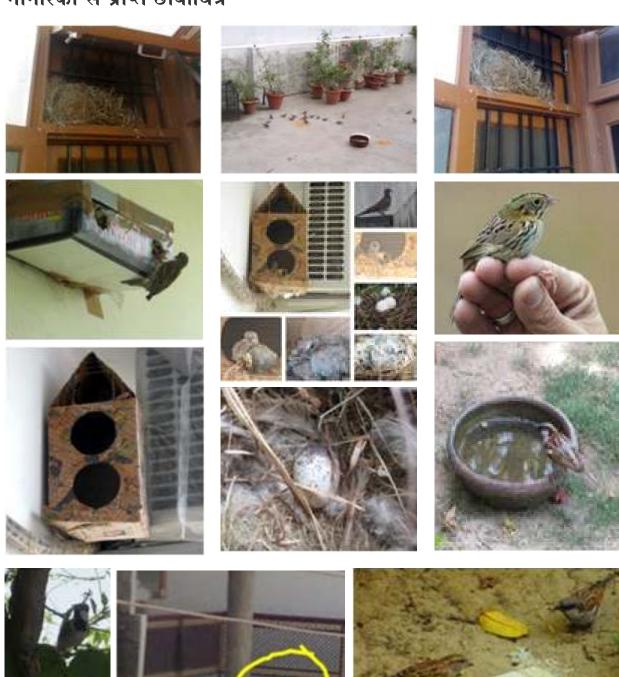


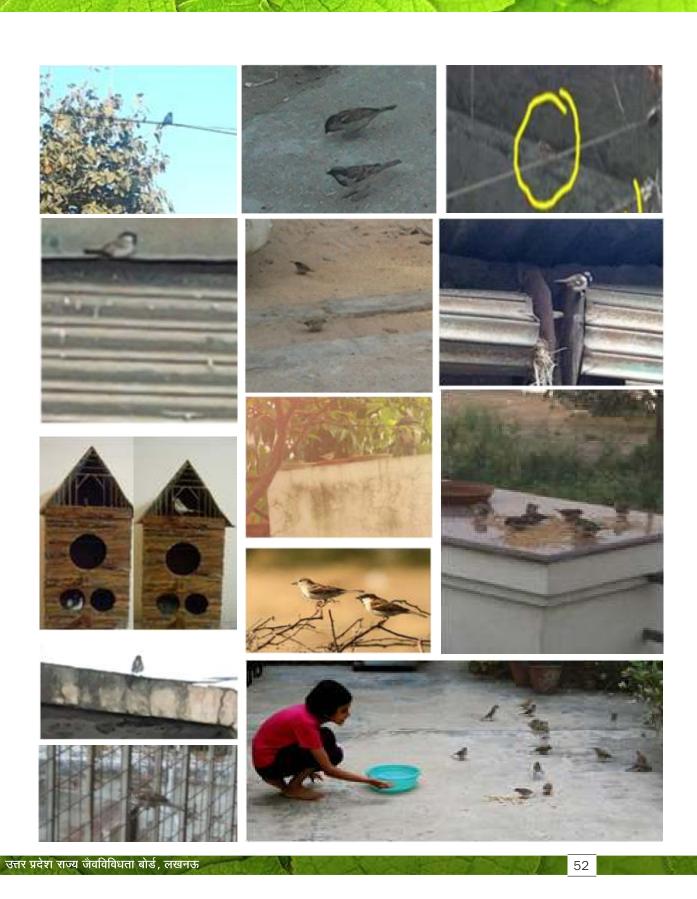
जिलियन एलीजाबेथ, सांत्वना पुरस्कार

### नागरिकों से प्राप्त प्रतिक्रिया :

नागरिकों ने लगभग 1500 गौरय्याओं की गिनती कर ई मेल से सूचित किया।

### नागरिकों से प्राप्त छायाचित्र





#### विश्व गौरय्या दिवस-2013 के अवसर पर प्रकाशित जागरूकता सामग्री



गौरय्या गणना प्रपत्र



हैन्डबिल्स

#### विश्व गौरय्या दिवस 2013 के अवसर पर आयोजित समारोह की झलकियां













#### 21 मार्च विश्व वानिकी दिवस

21 मार्च 2013 को उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ ने समारोहपूर्वक विश्व वानिकी दिवस मनाया। विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाने की दृष्टि से उन्नाव व लखनऊ जनपदों में इस अवसर पर 'वनों का महत्व' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में 155 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें से चर्च स्कूल, नवाबगंज, उन्नाव के 80 विद्यार्थियों (कक्षा 8 तक) व 12 विद्यार्थी (कक्षा—9) व केन्द्रीय विद्यालय, उन्नाव के 25 विद्यार्थियों (कक्षा 5 से कक्षा 9 तक) ने पोस्टर प्रतियोगिता में जबिक अवध एकेडमी, लखनऊ के 29 विद्यार्थियों व टी०डी० गर्ल्स इण्टर कॉलेज, लखनऊ के 9 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

विजेताओं को निम्नानुसार पुरस्कृत किया गयाः

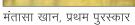
#### आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता परिणाम

विद्यालय का नामः चर्च स्कूल, नवाबगंज, उन्नाव

वर्ग : पांचवी से आठवीं तक

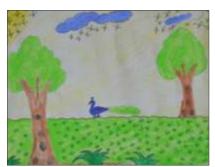
क्रम सं	ं० विद्यार्थी का नाम	कक्षा	पुरस्कार
1	मंतासा खातून	8	प्रथम
2	मानसी दिवाकर	7	द्वितीय
3	मानसी सिंह	7	सांत्वना







मानसी दिवाकर, द्वितीय पुरस्कार



मानसी सिंह, सांत्वना पुरस्कार

#### वर्ग : नवीं से बारहवीं तक

1	रोबिन विमल	9	प्रथम
2	मनाली पाण्डेय	9	द्वितीय
3	अविरल राठौड	9	सांत्वना



रोबिन विमल, प्रथम पुरस्कार



मनाली पाण्डेय, द्वितीय पुरस्कार



अविरल राठौड, सात्वना पुरस्कार

#### विद्यालय का नामः केन्द्रीय विद्यालय, उन्नाव

#### वर्ग : पांचवी से दसवीं तक

क्रम०सं	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	पुरस्कार
1	निधि शुक्ला	9—ए	प्रथम
2	रूपांजलि यादव	8—बी	द्वितीय
3	प्राची सिंह	6—बी	तृतीय
4	आकांक्षा यादव	8−ए	सांत्वना
5	वंशिका मिश्र	8-बी	सांत्वना



निधि शुक्ला, प्रथम पुरस्कार



प्राची सिंह, द्वितीय पुरस्कार



आकाक्षा यादव , सात्वना पुरस्कार,



वंशिका मिश्र, सात्वना पुरस्कार



रूपांजलि यादव, तृतीय पुरस्कार

#### आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का परिणाम

<sup>°</sup> क्रम सं०	विद्यार्थी का नाम	विद्यालय का नाम	कक्षा	पुरस्कार
1	अंचल कुमारी	टी०डी० गर्ल्स कॉलेज	3-4	प्रथम
2	वंदना विश्वकर्मा	अवध एकेडमी	8	द्वितीय
3	स्नेहा प्रजापति	टी०डी० गर्ल्स कॉलेज	8-ए	सांत्वना



वंदना विश्वकर्मा, द्वितीय पुरस्कार



रनेहा प्रजापति, सांत्वना पुरस्कार

विश्व वानिकी दिवस, 21 मार्च, 2013 के अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता की झलकियांः









### मानव संसाधन विकास

#### मानव संसाधन विकास

सम्पूर्ण वर्ष बोर्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों ने विभिन्न कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षणों में प्रतिभाग किया, जिनका विवरण निम्नानुसार है :—

- 1. 7,8 अगस्त, 2012 को म०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा 'एक्सपीरियन्स शेयरिंग एण्ड कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ बायोडाइवर्सिटी मैनेजमेण्ट कमेटीज'' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ० राम जी श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक व श्री आर०के० दुबे, सहायक वन संरक्षक ने प्रतिभाग किया।
- 2. सितम्बर 15, 16, 2012 को ''महाराजा सयाजीराव गायकवाड़, बड़ौदा विश्वविद्यालय'', वड़ोदरा व भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा संयुक्त रूप से 'साइंस फॉर शेपिंग द यूचर ऑफ इण्डिया' विषयवस्तु पर आयोजित रीजनल साइंस कांग्रेस में डॉ० राम जी श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाग लिया। बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा के वनस्पति विज्ञान विभाग के तकनीकी सत्र में ''बायोडाइवर्सिटी कंजरवेशन एण्ड सस्टेनेबल यूज ऑफ सम मेडीसनल प्लांट'' पर उन्होंने आमंत्रित शोध पत्र का प्रस्तुतीकरण किया।
- 3. पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एच०आई०सी०—एच०आई०टी०आई०एक्स० काम्पलेक्स हैदराबाद में आयोजित कंजरवेशन ऑन बायोडाइवर्सिटी (सी०बी०डी०) सी ओ पी 11 में 14 से 18 अक्टूबर 2012 तक श्री पवन कुमार, सचिव, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने भाग लिया।
- 4. भारत सरकार द्वारा एच०आई०सी०सी० एच०आई०टी०आई०एक्स० काम्पलेक्स हैदराबाद में आयोजित कंजरवेशन ऑन बायोडाइवर्सिटी (सी०बी०डी०) सी ओ पी 11 में 15 से 19 अक्टूबर 2012 तक श्रीमती प्रतिभा सिंह, उप वन संरक्षक, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने भाग लिया।
- 5. 25 अक्टूबर, 2012 को सी०एस०आई०आर०—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के रजत जयन्ती समारोह में डॉ० राम जी श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाग लिया। इस अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डा० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम, मुख्य अतिथि व श्री बी०एल० जोशी, महामहिम राज्यपाल उ०प्र० सम्मानीय अतिथि थे।
- 6. 29 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2012 के मध्य राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद व बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा ''नैनो साइंस एण्ड टेक्नॉलाजी फॉर मेनकांइड'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी व राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के 82वें वार्षिक अधिवेशन में डा० सोमेश गुप्ता, जी आई एस / टेक्नीकल एसोसिएट ने भाग लिया। जैव विज्ञान सत्र में उन्होंने 'रैमीफिकेशन ऑफ क्लाईमेट चेंज ऑन बायोडाइवर्सिटी' पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किया।
- 7. 27—30 दिसम्बर, 2012 के मध्य कन्नाक्कुन्नु पैलेस, थिरूवंतपुरम् में केरल राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा 'खाद्या सुरक्षा के लिए जैवविविधता' (बायोडाइवर्सिटी फॉर फूड सिक्यूरिटी) विषय वस्तु पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय जैवविविधता कांग्रेस 2012 व समस्त राज्य जैवविविधता बोर्डी की बैठक में श्री आर०के० दूबे, सहायक वन संरक्षक, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने भाग लिया।

8. द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (भारत) उ०प्र० राज्य ने द प्रोफेशनल इंजीनियर्स (सिविल) एसोसिएशन पी०ई०सी०ए० ने संयुक्त रूप से 1 अक्टूबर 2012 को विश्व प्राकृतवास दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रीमती प्रतिभा सिंह, उप वन संरक्षक, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित किया। मुख्य वक्ता के रूप में उनका सम्बोधन प्राकृतवास व हमारे प्राकृतवास, पृथ्वी माँ के प्रति भावनाएं व लगाव पर केन्द्रित था। उन्होंने विकास व जनसंख्या वृद्धि के संदर्भ में जैव मण्डल पर संसाधनों की परिमितता पर प्रकाश डाला। उन्होंने दस सर्वश्रेष्ठ हरे भरे शहरों के सम्बन्ध में भी अवगत कराया।

#### प्रकाशन

- (क) फ्लायर्सः उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ ने 11 विभिन्न फ्लायर्स प्रकाशित किए। ये फ्लायर्स 8 से 19 अक्टूबर 2012 के मध्य हैदराबाद में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कंवेशन ऑन बायोलॉजिक विविधता पर आयोजित कांफ्रेन्स ऑफ द पार्टीज (सी ओ पी 11) में निःशुल्क वितरित किए गए।
- (ख) पुस्तिकाः जैवविविधता पर पुस्तिका ''उत्तर प्रदेश का जीवित खजाना'' (लिविंग ट्रेजरर्स ऑफ उत्तर प्रदेश) 8 से 19 अक्टूबर, 2012 के मध्य हैदराबाद में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अयोजित ग्यारहवीं कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सी ओ पी 11) —कन्वेंशन ऑफ बायोलाजिकल डाइवर्सिटी हेतु प्रकाशित की गई। सम्मेलन के अवसर पर प्रतिनिधि मण्डलों को पुस्तिका निःशुल्क वितरित की गई।
- (ग) समुद्रीय जैविविधता पर स्मारिकाः अन्तर्राष्ट्रीय जैविविधता दिवस (आई०बी०डी० 2012) के अवसर पर ''समुद्रीय जैविविधता'' (मेरीन बायोडाइवर्सिटी) पर स्मारिका का विमोचन हुआ। इस पुस्तिका में समुद्रीय जैविविधता पर 22 लेख हैं। इसकी साफ्ट प्रति http://www.upsbdb.org/content2.php पर भी उपलब्ध है।
- **घ) समाचार पत्र : ई पत्रिका :** उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ एक त्रैमासिक पत्रिका आन लाईन प्रकाशित करता है। इस ई पत्रिका को www.upsbdb.org में देखा जा सकता है। अब तक चार अंक पूर्ण हो चुके हैं।

1- भाग 3, अंक : 11, अप्रैल—जून 2012

2- भाग 3, अंक : 12, जुलाई—सितम्बर 2012

3- भाग ३, अंक : १३, अक्टूबर—दिसम्बर २०१२

4- भाग 4 अंक : 14, जनवरी-मार्च 2013

### संजय राजीव एण्ड कं०

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

प्रथम तल, वाई.एम.सी.ए.काम्प्लेक्स, 13 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ—226001 टेलीफोन नं0 (0522) 2209402 ई मेलः myca.lucknow@gmail.com

#### लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

#### सदस्यगण

उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ

हमारे द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड (द बोर्ड) के संलग्न वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया गया। यह वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2013 की बैलेन्स शीट एवं वर्ष के अंत तक का आय व व्यय विवरण एवं प्राप्तियाँ व भुगतान का लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ व अन्य विवरणात्मक सूचना से मिलकर बना है।

लेखा मानकों के अनुरूप वित्तीय स्थिति सत्य व स्वच्छ विवरण बोर्ड का वित्तीय प्रदर्शन दर्शाने वाला ये वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु प्रबन्धन उत्तरदाई है। इस लेखा विवरण की तैयारी व प्रस्तुतीकण सत्य व स्वच्छ विवरणता है तथा सामग्री के गलत विवरण से मुक्त है जो त्रुटि अथवा धोखे के कारण है, इस उत्तरदायित्व में रूपरेखा, क्रियान्वयन एवं सम्बन्धित आंतरिक नियंत्रण शामिल है।

हमारे अंकेक्षण पर आधारित वित्तीय विवरण पर विचार व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है। हमारा अंकेक्षण इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स ऑफ इण्डिया द्वारा निर्गत अंकेक्षण के मानकों के अनुसार है। वित्तीय विवरण जाली व त्रुटिपूर्ण सामग्री पर आधारित नहीं है। सुनिश्चित करने हेतु अंकेक्षण के लिए निर्धारित परम्परागत वांछनीयता व योजना पर आधारित मानकों का पालन करते हैं।

हमारा विश्वास धनराशि व वित्तीय विवरण में घोषणा के सम्बन्ध में अंकेक्षण प्रमाण—पत्र प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रकिया शामिल है। धोखाधड़ी या त्रुटियों के कारण वित्तीय विवरण की सामग्री की त्रुटि के खतरों के मूल्यांकन को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक के निर्णय पर आाधिरत प्रकिया का चयन किया गया है। मूल्यांकन में इन खतरों को रखते हुए लेखा परीक्षक परिस्थितियों के अनुरूप अंकेक्षण प्रारूप, वित्तीय विवरणिका के अनुरूप निर्धारित करते हैं। अंकेक्षण में लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन व प्रबन्धन द्वारा लेखा प्राक्कलन में अपनाई गई तार्किकता को तथा वित्तीय विवरण के प्रस्तुतिकरण को सम्पूर्ण मूल्यांकन को भी सम्मलित किया गया है। अंकेक्षण हेतु उपलब्ध कराए गए अभिलेख जो लेखा परीक्षण का आधार बने पर्याप्त व समुचित हैं।

- अ) बैलेन्स शीट के प्रकरण में बोर्ड के मार्च 31, 2013 तक की गतिविधियाँ सम्मलित हैं।
- ब) आय व व्यय लेखा विवरण में अधिशेष उक्त वर्ष के अंत तक का है।

कृते संजय राजीव कं० चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस

ह० (संजय कु० भूटानी) पार्टनर एम. नम्बर 074203

स्थानः लखनऊ

दिनाँक : 17.08.2013

#### महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा टिप्पणियां

- 1. बोर्ड ने लेखा विधि नकद से वाणिज्यिक आधार पर परिवर्तित की है।
- 2. सावधि जमा पर पूर्व में प्राप्त ब्याज को सावधि जमा को परिपक्वता पर वास्तव में ब्याज के आधार पर लेखाबद्ध किया गया, इस वर्ष में ब्याज से प्राप्त आय को संयची आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। इसका परिणाम इस वर्ष ब्याज आज में ₹ 43, 01, 136 की वृद्धि हुई है।
- 3. लेखा ऐतिहासिक लागत आधार (हिस्टोरिकल कॉस्टेबेसिस) पर तैयार की गई है। जब तक कि आयकर संदर्भित नहीं किया गया है। सामान्य लेखा नीतियां स्वीकृत लेखा नीतियों पर स्वीकृत हैं।
- 4. जैवविविधता दिवस पर आयोजित सेमिनार पर प्रभागीय वनाधिकारी अवध के माध्यम से किया गया व्यय सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी से प्राप्त उपयोगिता प्रमाण—पत्र के आधार पर लेखाबद्ध किया गया।
- 5. विभिन्न एजेंसियों / विभागों को जैवविविधता सम्बन्धित परियोजनाओं के लिए विषयगत अविध में किया गया कुल भुगतान सम्बन्धित वर्षों के लिए हुआ व्यय माना गया है।
- 6. अचल पँजी का उल्लेख अधिग्रहण की लागत पर किया गया है।
- 7. अचल पँजी का हास मूल्य डब्लू०डी०वी० आधार पर आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर किया गया है।
- 8. भण्डार में उपलब्ध पुस्तकों मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया गया है।

लखनऊ 17.08.2013 कृते— संजीव राजीव एण्ड कं0 चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस ह०/— (संजय भूटानी) कृते— उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ह०/— (पवन कुमार) सचिव

### वित्त एवं लेखा

#### उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ

01.04.2012 से 31.03.2013 तक लेखाबद्ध प्राप्तियाँ एवं भुगतान

प्राप्तियां		धनराशि	भुगतान	धनराशि
प्रारंभिक अवशेष :			वेतन और भत्ते	457,926.00
नकद धनराशि	1.00		कार्यालय किराया	1,431,012.00
बैंक अवशेष	7,637,490.00	7,637,491.00	बिजली बिल	156,896.00
			कर्मचारी वाहन	1,205,289.00
सहायता अनुदान			अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2012 पर व्यय	839,711.00
केन्द्र सरकार से आवर्तक अनुदान	7,00,000.00		टेलीफोन और इंटरनेट	129,782.00
राज्य सरकार से निकाय अनुदान	5.000,000.00	5,700,000.00	प्रचालित जन जैवविविधता रजिस्टर कियाकलाप	44,768.0
, and the second			कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव	118,463.0
			पिकप वेलफेयर सोसायटी को रखरखाव हेतु भुगतान	36,180.00
			किराया दर व कर	5,666.00
सावधि जमा पर ब्याज		14,414,001.00	डाक व कोरियर	17,582.00
वर्ष में परिपक्व सावधि जमा		139,448,529.00	बोर्ड बैठक व सेमिनार	75,632.00
बैंक से अन्य ब्याज		661,431.00	मुद्रण व लेखन सामग्री	50,434.00
दान व विज्ञापन		622,500.00	यात्रा	94,741.0
पुस्तकों की बिकी		24,300,00	सी ओ पी 11 के लिए जागरूकता व प्रचार सामग्री	3,00,000.0
विविध प्राप्तियां		3,175.00	वेबसाईट रखरखाव	22,500.00
परियोजना से वापस प्राप्त धनराशि		3,000.00	जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम	37,105.00
			समाचार पत्र व पत्रिका	10,250,00
			अंकेक्षण शुल्क	15,736.00
			पेशेवर शुल्क	11,236.0
			बैंक शुल्क	844.0
			परियोजना अनुसंधान, आंकड़ा एकत्रीकरण व अभिलेखीकर	ण 4,867,300.00
			मानव संसाधन आपूर्ति	684,275.0
			वार्षिक रिपोर्ट व अन्य ब्रोशरों की तैयारी	223,308.0
			सुरक्षा रखरखाव	41,731.0
			- मरम्मत व रखरखाव	12,560.0
			कार्यालय व्यय	78,812.0
			पुस्तकालय हेतु पुस्तक क्य	3,420.0
			लैपटॉप क्रय	126,888.00
			वर्ष में साविध जमा	141,948,529.00
			अंतिम अवशेष	
			नकद धनराशि 1.00	
			बैंक में नकद धनराशि 12,965,850.00	
			उपलब्ध चेक 2,500,000.00	15,465,851.0
		168,514,427.00		168,514,427.00

समदिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/ कृते— संजीव राजीव एण्ड कं० चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस ह०/— (संजय भूटानी)

लखनऊ दिनाकः 17.08.2013 कृते— उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ह०/— (पवन कुमार) सचिव

#### उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2013 को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय—व्ययक लेखा

व्यय	धनराशि	आय	धनराशि
वेतन व भत्ता	457,926.00	केन्द्र सरकार	700,000.00
कार्यालय किराया	1,431,012.00	सावधि जमा पर ब्याज	18,735,137.00
बिजली बिल	156,896.00	बैंक से प्राप्त अन्य ब्याज	661,431.00
कर्मचारी वाहन	1,205,289.00	दान व विज्ञापन	622,500.00
अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता	839,711.00	पुस्तक बिक्री	24,300.00
दिवस 2012 पर व्यय		परियोजना से वापस प्राप्त	3,000.00
टेलीफोन और इंटरनेट	129,782.00	विविध प्राप्तियां	3,175.00
प्रचलित जन जैवविविधता पंजी कार्यक्रम	44,768.00		
कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव	118,463.00		
पिकप वेलफेयर सोसायटी को रखरखाव हेतु भुगतान	36,180.00		
किराया दर व कर	5,666.00		
डाक व कोरियर	17,582.00		
बोर्ड बैठक व सेमिनार	75,632.00		
बिक्री की गई पुस्तकों की लागत	19,277.00		
मुद्रण व लेखन सामग्री	50,434.00		
यात्रा	94,741.00		
सी ओ पी 11 के लिए जागरूकता व प्रचार सामग्री	3,00,000.00		
वेबसाईट रखरखाव	22,500.00		
जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम	37,105.00		
समाचार पत्र व पत्रिका	10,250.00		
अंकेक्षण शुल्क	15,736.00		
पेशेवर शुल्क	11,236.00		
बैंक शुल्क	844.00		
परियोजना अनुसंधान, आंकडा एकत्रीकरण व अभिलेखीकरण	4,867,300.00		
मानव संसाधन आपूर्ति	684,275.00		
वार्षिक रिपोर्ट व अन्य ब्रोशरों की तैयारी	223,308.00		
सुरक्षा रखरखाव	41,731.00		
मरम्मत व रखरखाव	12,560.00		
कार्यालय व्यय	78,812.00		
मूल्य हास	273,091.88		
व्यय पर बचत अधिक्य	9,487,434.46		
	20,749,543.00		20,749,543.00

समदिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/ कृते— संजीव राजीव एण्ड कं० चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस ह०/—

दिनाकः 17.08.2013

लखनऊ

ह०/-(**संजय भूटानी**) पार्टनर कृते— उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड ह०/— (पवन कुमार) सचिव

#### उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

तुलन-पत्र दिनांक ३१ मार्च, २०१३

दायित्व		धनराशि	आस्तियां	धनराशि
निकाय कोष			अचल सम्पत्ति	
अवशेष अग्रेनीत	149,222,658.32		सूची के अनुसार	786,088.03
केन्द्र सरकार से अनुदान	5,000,000.00		निवेश	
जोड़ : वर्ष हेतु सरप्लस	9,487,434.46	163,710,092.78	बैकों में सावधि जमा 141,948,529.0	)
			संचित ब्याज जिसे प्राप्त 3,981,106.00 नही किया गया	145,929,635.00
			चालू पूंजी	
			जमानत जमा किराया	275,835.00
			भण्डार व पुस्तकें	353,801.75
			2009—10 में स्रोत पर कर कटौती	320,030.00
			2011–12 में स्रोत पर कर कटौती	838.00
			2012—13 में स्प्रेत पर कर कटौती	330,905.00
			जमा आयकर	227,109.00
			बैंक से प्राप्त होने वाले अल्पकालीन जमा ब्याज	₹ 20,000.00
			अंतिम शेष	
			नकद धनराशि 01.00	
			बैंक में नकद धनराशि 12,965,850.00	
			उपलब्ध चेक 2,500,000.00	15,465,851.00
		163,710,092.78		163,710,092.78

समदिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार / कृते— संजीव राजीव एण्ड कं0 चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस ह० / — (संजय भूटानी)

कृते— उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड ह०/-(पवन कुमार) सचिव

लखनऊ

दिनाकः 17.08.2013

लक्षमः १२ महे २०१२ दैनिक जागरण । 5

लें संकल्प: अंतरसब्दीय जैव विविधता दिवस आज

## गेशिश करें, प्रकृति के ये तोहफे बचे रहें

mark it six it short w has so some it it should कुरमधी पार्च कर्ने की है और वहें वह स्थितेह मुख्य है। उन्होंच स्थित प्रकृति क्षेत्रेय के लिए प्रच्यों का 35, बांग्लिक विकार नाई के खा है। एकार्य में अन्य-अन्त 30, याब वर्षण स्टेम्प्स अंग्रह्म क्षेत्रों में दूर्वण प्राप्ति को निर्मात्त केंद्रीय विकासियाना में उर, सर्वना क पत्नी आप भी देश करते हैं। बोरचेन विश्वविद्यालय में 45 व रह किया है बोरियेंस रिक्रमी, ये दिन, वस 15 किएम के हुनीय पक्षी रेखे था। करूर, पार्टी केंग्स, पेरायान केंग्रे औ औ औ दर्जन से लिया प्रकार दूर्वंत रही प्रकार के लिएन को निर्माण की पूर्वों से गायन करना, प्रणाल, गाँगर परिवाह मानो पर था। ये देर क्षणे हैं। यो कमें देशों थां। जा विश्वम दिशा सकते कुमम, बदार आदि के पेड़ी को लगा रिक्टी, पोर गुरुए, को मानिकर प्रेनेना ही अपने पर वर्ज प्रेक्ट का देश है। उसके बीम बाहेर वन् क्या है। बरीटन करते है या महेरा अवह हुबता बीहर जिल्हा है हुई इस के देश बाह है।

राम सबोर के बंदन गवा अने हो। बनानीर अनुनंतन संस्थान में क्षेत्र युम्पान निर्वतिया पूर्व में प्रायश जीविय प्रवेत ने क्वेले को में ब्रीपक पार्टेश हैं स्थापन राजप्यत प्रवेत में उसमें प्रवस है कि वॉट वेडेंडीकान



per plan use deliberated and हें, पन प्लंबर लंकिन स्ट्रीत की TOWNSHIP & THE BUTCHE R PETER BENEVALE BY क्षा के सर्वत्वा के अन्तरावर्ड प्रविविधिये वे. तेवा अस्मान रहता महत्र अस्तिक होते। उद्देश प्रस्ता र्व के स्थानिक इसर कि सीत अस लेश में इस

韓以称於前

1900035 - 19007 - 23 Ref 2012

हिन्दुस्तान

## समुद्री जीवों के संरक्षण के लिए करना होगा काम

#### जेव विविधता दिवस

- spoked and so it is it out
- € की जी का की की है जर

**मकारक** विश्व संस्टाटका

हमूर पूर्व प्रकार का का 25 करता इन्हरूत को प्रमुद्ध वायदिन का नेता है 175 बोधाने केटेन भी प्रमुद्ध में गिकाब है तक करें जो, संविध्य किया विधान में संस्कृति

वर्षे में लिक्स विद्याप्तिय संस्तान हैन कि विद्याप है प्रस्ता ने स्वित्य है प्रस्ता ने स्वित्य है प्रस्ता ने स्वित्य है प्रस्ता ने स्वित्य है प्रस्ता ने स्वत्य ने स् किया एक है। इस के पूर्व ने बहुए कि



त्रेत विविद्या रिकार पर परणवार को अंग्रेनिक विकार नहीं में प्रयोग पर अवस्थित विव्यवस्था विकारिक से कार्य ने विश्वव विकार वो अवस्थित विकारिक संस्कृत के विविद्याल समयोग का स्थापन अन्यत्यन मुनिवर्ति के की विकार केमार करना ने विकार करिय कुछ की को संस्थान के विकार करिया करियान केमार करावें के स्थापनी करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया करिया वरित्य मोतानिकार करावेंसियों के कारण की प्रयोग करिया करिया

वर्तन क्यांकार्विकास कार्यास्त्री के तात । विश्वासक कार्यों के तेव के मित्रावार रोक राजने के विश्वासक राज्यों कुम्ब अर्थित रोठ कार्याक्रम स्थानित वेदिर आवश्ये के स्थानात्रात्र किया विश्वासक के तैवार स्थानात्र कुमा वै. स्थानित का विश्वासन स्थानात्रितीयक विश्वासक विश्वासन कुर्यों के स्थानात्र के स्थानात्र को स्थानात्र कुर्यों के

गंदे होते समुद्र से बढ़ता खतरा बहुते तहा विभागाय पूर्वा-स्थाप पेरा ने वे करण भट्ट प्रदेश कर जिल्हा हो ती हैं, जिल्हा की पितादक की पुन्देशियों का अन्य करना पर का है। का बहुता है गुर्व प्रस्तानक हो। अस्तान विद्वालय के प्रदे

विविधान दिवस पर आवशिका विद्यान नवर्षे में हुए कार्यक्रम में बेल को लें। इस बीम त हुए काकुक कर कर तो हुए सक्त स्वारोक प्रकार कर कर कर है। संभाव किया के प्रकार के कि क्रिक्टिय के क्रिक्टियों को पुर्वका किया कर को क्रिक्ट मंत्रीय के क्रिक्ट के क्रिक्ट को क्रिक्ट मंत्रीय के क्रिक्ट के क्रिक्ट को क्रिक्ट में के प्रवृत्ति के क्रिक्ट प्रकार किया किया के क्रिक्ट के क्रिक्ट प्रकार किया किया के क्रिक्ट के क्रिक्ट प्रकार ति के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट प्रकार ति के क्रिक्ट के क्रिक्ट

लखनऊ, २३ मई २०१२ देनिक जागरण

लखनऊजागरण

## पाठ्यक्रम में शामिल हो जैव विविधता संरक्षण

• अंतरसन्दीव जैव विविधता दिवस पर गोशी आयोजित

लखनऊ, २२ मई (जास): काशिश करिए वि रोजमर्ग के काची में प्राकृतिक संसाधनी का प्रयोग सोमित हो सके। इससे जहा प्रकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा कडी उनका संरक्षण भी मुमकिन हो सकेगा।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मैंके पर उप्न राज्य कैव विविधता बोर्ड द्वारा 'सागरीय जैव विविधता-सागर एक, जीवी के समार अनेक' विषयक गोष्टी में उक्त विचार बोर्ड के अध्यक्ष व सचिव पर्पाकरण एवं वन चनेश कुमार सिंह ने व्यवस किए। उन्होंने कहा कि कथा 6 से 12 तक के पार्वक्रम में जैव विविधना संस्थाप को शमिल किया जना चाहिए। प्रमुख यन संरक्षक जेएस अस्थाना ने बताया कि समुद्र में मीजूद 2 लाख 30 हजार प्रजातियां खोजी वा पुकी है, लेकिन अब भी लाखी प्रजातियों के बारे में जानकारी हासिल किया जाना बाकी है। उन्होंने समुद्र में बढ़ते प्रदूषण पर शिंता व्यक्त करते हुए इस संबंध में जगरूकता की जरूरत बताई। बोर्ड के सचिव पवन कुमार ने कहा कि हम लोगों हारा जनित कार्यन हाई ऑक्साइंड की संतुत्तित करने में समुद्री जैव विविधता का



गोष्ठी का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि डॉ. सैय्यद अजमल खान

महत्वपूर्ण पोगदान है। नेशनल ब्यूगे ऑफ फिश मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. बेके बेना ने समुद्री मास्य विविधता व इसके प्रवंधन को आवश्यकता पर कल देते हुए कहा कि वर्षों से देश में मत्स्य उत्पादन स्थिर हो गया है, इसे बहाने के जरूरत है। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विश्व विश्वविद्यालय भी हम समुद्र पर आश्रित है। ऐसे में समुद्री के कुलपति प्रो. बलगाज चौहान ने जैव

विविधता अर्थात किए जाने के लिए लाग विधिक प्रावधानों की चर्चा की। अन्तामलाई विश्वविद्यालय के जॉ. सैध्यद आजगत खान ने समुद्रीय पारिस्थितिकीय तंत्र में पाए जाने वाले मैनग्रेव आदि के बारे में जानकार ही। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण दवाइयों के लिए जैव विविधत को संरक्षित करना हमारे लिए। एकेटमी की अमीमा फातिमा।

SHIPLION

#### हाइड्रोजन से ईधन बनाने की कोशिश

लखनऊ, २२ मई (जासं)ः पूर्व मुख्य दन सरसक हों , अरएत शिंह ने वहा कि पृथ्वी पर पाई जाने वाली १.४ करोड प्रजातियों में सं अब तक नाम 17 लाख के बारे में ही जनकारी प्राप्त की जा सकी है। जहिर है कि अभी इस दिशा में काफी काम करना है। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक समुद्री पानी मे मिलने वाली सद्युवेजन से ईवन तैयार करने की कोशिश में जुटे हैं। समुद्र में पाई जाने वाली जीव विविधात के संरक्षण के लिए जल्ली है कि समुद्र के पांच किलोमीटर तक के क्षेत्र को अवस्थिय उपयोग के लिए इस्तेमस्त न विचा जार । इस अवसर पर हुई प्रतियोगिताओं में 250 बखा ने भग लिया।

और भी बरुरी हो बाता है। इस मौके पर स्मारिका का विभोचन भी किया गया। पुरस्कृत हुए बच्चे : केंद्रीय विद्यालय के पूर्व व नीलेश, सेठ्न एकेडयी के अधिनव प्रदीप, विष्णु, कौरतभ, एलपीसी की प्रगति, सीएमएस के बेयम व चरू, छेट्ट एकडमी की अवनि, बाइट लैंड के विशाल व सैटल

#### हिन्दुस्तान

SO men - 10 de 10 de 1011

#### वृक्ष भी देते हैं भाई-चारे की भावना को ऑक्सीजन





#### वकारी के वसूख दूव

thing do not best yo

of adject acparts

ext. op, fort our

#### St gall dag ste ment \* con hij + men big \* con hij + men big ga di git qui untili in con un cifra un

पहनः लविवि व राज्य जैव विविधता बोर्ड कराएगा सर्वे

# सरक्षित होगी राजधानी व आसपास की नम भूमि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजधानी व आसपास स्थित नम भूमि को अब कुड़े से नहीं पाटा जा सकेगा। यही नहीं वेट लैंड (नम भूमि) पर कब्जा कर उसका अस्तित्व खत्म करने वालों की भी खैर नहीं। संरक्षण के अभाव में कुड़े से पटती नम भूमि क्षेत्र को चिंहित कर उनके संरक्षण का बीड़ा उठाया है, लखनक विश्वविद्यालय व राज्य जैव विविधता बोर्ड ने।

विश्व नम भूमि दिवस (2 फरवरी) के मौके पर पहली बार राजधानी व आसपास के नम भूमि क्षेत्र का सर्वेक्षण किया जाएगा। यहां कौन-कौन से देशी-विदेशी पक्षी आसरा लेते है? इन सभी जानकारियों को जुटाने के लिए लखनक विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग ने पाच टीमों का गठन किया है।

बताया कि पांच सदस्यीय यह टीमें अलग-अलग दिशाओं में सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे के बीच मौके पर सर्वे कर जानकारियां एकत्र करेंगी। टीम न केवल पक्षियों बल्कि वहां होने वाले जलीय पौधों का भी ब्योरा इकट्ठा करेगी। डॉ. कनौजिया ने बताया कि

### विश्व वेट लैंड दिवस आज

सभी जानकारियों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जैव विविधता बोर्ड को सौंपा जाएगा। डॉ. कनौजिया बताती है कि उन्नाव स्थित नवाबगंज, हरदोई स्थित सांडी, रायबरेली स्थित समसपुर व कन्नोज की नम भूमि संरक्षित हैं. जिन्हें रामसर सुची में शामिल किया गया है। लखनऊ के चारों ओर अभी भी बहुत सी नम भूमि ऐसी है जो संरक्षित नहीं है। पर्यावरण के लिहाज से भी नम भूमि का संरक्षण बहुत

### क्या है नम भूमि

नम भूमि एक प्रकार का पारिस्थितिकीय तंत्र है। सहायक प्रोफेसर डॉ. अमिता कनीजिया ने जहां पर जल का स्तर जमीन के बराबर या जमीन उथले पानी से ढकी हुई होती है। तालाब, झील, झरने, नदियां इत्यादि भी नम भूमि के अंतर्गत आते हैं। इसे वायोलॉजिकल सुपर मार्केट भी कहा जाता है। विभिन्न प्रकार के जंत व वनस्पतियां यहां फलती-फुलती है।

6 | दैनिक जागरण लखनक, ३ फरवरी २०१३

# संरक्षण की दरकार है

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजधानी व आसपास की नम भूमि को संरक्षण की दरकार है। खेती हो रही है। खेती मे से मछलियां खत्म हो गई है, जिससे यहां आने वाले पक्षियों यह रिपोर्ट बैव विविधता बोर्ड को की आमद भी दिनों-दिन कम हो रही है। यह निष्कर्ष है लखनक विश्वविद्यालय व जैव विविधता वोर्ड हारा संयुक्त रूप से किए गए सर्वेक्षण का। जीव विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर हाँ. अमिता कनीजिया ने बताया कि विश्व नम भूमि दिवस के मौके पर शनिवार को पांच टीमों द्वारा राजधानी सहित उन्नाव, मोहनलालेगंज, लखनऊ-वारावंकी सीमा की नम भूमि का सर्वे किया गया। हाँ कनीजिया ने वताया कि संरक्षित नम भूमि को छोड़ गैर संरक्षित नम भूमि की स्थिति चिंताजनक है। राजधानी विश्वविद्यालय के एप्लायड में गोमती नगर स्थित अंबेडकर एनीमल साइंसेस विभाग हारा पार्क के पीछे गोमती नदी का वेट लैंड, कठीता झील, तेली बाग में पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। दीनदयाल पार्क के समानांतर पर्यावरण शिक्षण केंद्र हारा नम भूमि देखरेख के अभाव में चंद्रावल स्थित चंद्रभान गृप्ता खत्म होने को है।

ब्लॉक में 10 हेक्ट्रेयर क्षेत्र में कार्यक्रम का फैली नम भूमि पुरैन में एक किया गया। बच्चों को नम समय में सैकड़ों पश्ची आते थे। भूमि के महत्व के बारे में आज स्थिति विपरीत है। यही जानकारी दी गई।

शनिवार को वर्ल्ड वेट लैंड डे पर हुई प्रतियोगिता में बनाई गई सुंदर रंगोली

कई बीधे तक फैली नम भूमि में स्थिति रायन, दाही, बधोसा वेट मछलियां व वनस्पतियां कम तो लैंड की है। केवल यही नहीं रही है, जिससे पश्चिमों का आना बखरों का तालाब के चंदनापुर, कम हो गया है। वही नहीं मत्स्य नगर चौकवा देहरा तालाब, पालन के लिए इस्तेमाल होने बारावंकी सीमा पर टीकरहार वाली नम भूमि में सिखाई की परेवा, नरदाही गनहारी झील, हलधर ब्लॉक में उत्नई नम प्रयि इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों को भी संरक्षण की भी दरकार है। हाँ, कनौजिया ने बताया कि सीपी जाएगी।

देखे गए यह पक्षी

जलकोवा. लेपविग. जलमुर्गी, पोवडं, स्पृन विल डक, टील और कृद, ओपन बिल्ड, मोर, सारस, लिटिल करमोरेट व कई तरह की बतखें।

यह मछलियां भी मिली वेह, ग्रास कटा, गिर्ख, चना, क्लेरियस, पुटियस छोटी आदि। इसके अलावा पानी के सांप, स्कीपर मेढक, घोंचे, मोलस्क भी बड़ी संख्या में देखे गए।

वहां भी हुए कार्यक्रम

बाबा साहेब अंबेडकर 'बायोडाइबसिटी इन वेटलैंड्स' शिक्षण एवं मानव विकास केंद्र उधर उन्नाव के बिछिया में स्कूली बच्चों के लिए आयोजन

### खत्म नहीं, पर सहम गईं गौरैया

शहर में हुई गणना, 1857 गौरैया की मिली जानकारी

**००** अमर उजाला बद्धे

लखनक। शहर अच्छी है, सबकी चहेती चिहिया गीरेया अभी भी मजीट के शहर लखनक में किमी तरह अपना अर्डमाला बनार हुए है।

यह जातिर हुआ है मुखासर को विश्व गीरेपा दिवस' पर पूरे लखनक में युवाओं व आम नागरिको हारा एक साथ की गई गेरिया की गणना में। गणना रिपोर्ट का अध्ययन अस्थी कारी है और

अस समा 1857 पीरेवाओं को देखे जाने की फुट शहरवासियों ने की है। लोगों ने 2000 से ज्यादा है-मेल और एसएमएस के जरिए अपनी मणना रिपोर्ट भोजी है। गणना सामित करती है कि लगानक को अपने गर के तीर पर गीरेया ने कोदा नहीं है, बस प्रकृति के विपरीत असंवेदनशील विकास से वे सहमों है।

गीरेमा की गणना सुवह 7 से 7:30 वजे तक पूरे शहर में एक साथ की गाँ। इसे प्रदेश वायो बायवसिंटी बोर्ड, रीजनल साईस सिटी और लखनक जिल्लिकालय के जुलांची दिपारंगेट में मिलकर करकाया था। महध्य श्री आपने ई-मेल एडेम जारी किए थे, जिन पर नागरिकों से गणना रिपोर्ट भेजने की

#### कहां और क्यों मिली ज्यादा

accessing auditor suprice conducts दान इन क्षत्र में शिवानी, बुर्वकर जन्मने की प्रयासक विदेशनों को प्रदेशने कि प्रशासने की कार्य मानते हैं। क्ष्मा । तरेक वर प्रवेशन छ। वेरोनेटर नान एक है। इनहीं सहिता पान्य में तोने का मतनत है कि ता औ अमेरिक क्या है और मिहिला कुछिन दें। तानकि किन तो में इनकी संस्त उपाय सिती पार जार के आरो क्षेत्र की पुत्रक में अवस्था को को हैं लेकिन अनुमारी तोगों में अपनी गामता विकेट में बालप दिए 10 वर्ष

स्वयापाने जन्मी बहुत क्राप्त

#### कहां कम और वर्षा?

वर्गुटक्ता, ज्यू देववाड, हनुसन रोतु असे संग्राहर शेर्ट में Chine in sept man it the-इरियानी और पूर्वधन अवकारी की क्रमी को प्रजा स्टब्स् ज साह है।

प्राच्या कर उन्हें कर की वा है। प्राच्या कर हैं हो जुद्देशन न केवत कर हैं हो जुद्देशन न केवत कर कर के की जुद्देशन के केवत कर कर की की की वह में मान है कि कर गाइ और बड़े मुख्या के दिन्द काम करने की उससाथ है। यूका के किए जन्मी है कि से युक्तात करा प्रदेश के क्रम कृतीका और शरकदार सबस पर STREET, STREET, STREET, STREET,

#### गेरिया की पटती लंख्या पर्यापरण के लिए खतरा

मनामका भीरेव की घटनी नावण हमारे तिम पक्ष मोठन है कि प्राईडरन h Sire and white work the test art if you expert after the tieft विके अनुवार्त के किए नहीं है, बर्किक दूसरे जीवी के जिस भी है। इसे उन्हें नार अनुष्य के तर नार है करते हुना जाने के तर मा है। इस उन्हें में जीने के लिए जात की होनी। यह कहना है कि बात करते कि वीते की क्रियान प्रतान तिक का है कुछार को रीजनान नार्धन किया है। विकास मीरेंग दिवसे पर अमेरिता कार्यक्रम में भीर गुरुष अस्थि केल नार्थ की का में पर नामान्य क्रियोक्टनत के जुलानी एमक्सी की एके जर्मा, महत्व निही के प्रोतंत्रत को व्यविनेदार उसेत कुन्छर, विस्तन की दे थे. अभिन्न कन्मीया ने में दशकान प्रिया प्रमानिते, पीम्टर मेरिका प्र पीटन प्रतिपत्तिमाम में अमेरिका हुई दिनामें दर्जन बोल्स के 250 से अभिन्न संदर्भागी और दिनामें ने दिन्सा निया प्रतिपत्तिमाओं में हमिन् अजाने कराये, कविरान चारिया, शोतम जारावान, विशेष वार्ग, मार्गतिका गुरमा, पासमा प्रदेशक प्रश्नवृत्ता हाथ।

ताकि आहे मेरिया सभी । सूरणांत स्वास्त्रत रोग संस्थान में में इंदियनगर में एक समर्थी का आधारम किया जिससे बड़ी संस्था में नार्यरक मीजूद की। मनावर अध्यक्ष विधायम निष्य ने सभी से अधील की कि वे आजी घट के जानने परिशों के लिए बन्न पानी रही और उन्हें अने वाले निर्मित में अंदर वर्गी। वहीं, संज्ञानी वहिंद कुणकर्मद करा में करियाओं के जरिंद नोरेंगा को गयाने की आपेल की।

हाईटेक न्यूज लक्ष्मप्र मुख्या 21 मार्च 2013

### विज्ञान नगरी मे मना विश्व गौरैया दिवस

लखनक। विश्व गरिव दिवस पर विभिन्न स्थाने से 200 से आधिक क्ल्बों ने गीवप के सन्तरण के जिला एकता विकास हुए अधिका निवास करते में आयोजन को गये प्रतिवेशिताओं में भाग तिका विकासना और क्रिक् प्रतिवीगावादी का अवोजन जन्मु निकास विभाग ,लाहानळ विश्वविध्यालय एवं पूर्व राज्य नीय विशिषक बोर्ड और आंचीतम विज्ञान नारी द्वार किया गया

प्रतिपेतिताओं में नवपुर रेडियेना जनकीपुरम्-सूर्वाल किया महिन व्यवश्रीपुरम्,मार्तम प्रकेशनी गोमतीवार, स्टेएमएस गोमतीवार, छ. बीएसफेर्स्प्यवनार,बीट एमआर प्रकृतिया ,समहीतिया प्रस्थे (हर र्वात समावित विक्र इटा ब्रोलेस छन्।



सॉन्टेसरे इंटर प्रतिश के प्रात-प्राताओं ने अष्ट-चकुकर हिस्सा लिया। लिखिय जान्यु - उनके घोराने अन्यने की राजारी को उनके विकास की एवंदियात क्षेत्रेसर अभिना कार्वेशिका में किया लेकित संस्थान पर

के लिए पानी के बतीय , बीजन लगा अस-परा राज्यत ही हार उसकी मौजूद संक्ष्म में इसाय कर सबसे है।

सहारा-

लगानकः बृहस्यविचार • 21 मार्च • 2013

Ewww.namaylive.com

### गौरैया को बचाने के लिए सभी आएं आगे



धार रोत बाच्ये । क्रीटी एकापर्श

साक्रमंडः (एकप्नवी) । राज्यक विश्वविद्यालय के जेतु विकास विकास और कैया विकास कोई के संपूक्त अवस्थान में मुख्यत को अध्यक्तिक विकास नकी में विकास सीचा दिवस पा एक संकेटी का आयोजनमुख्य । इसमें पर्याचार प्रीवर्ध के साव अधिकारी और कई विदासकों के एक और विश्वक भी मीन्द्र से। इसके अलावा 'एकरी सीटी भी मीची के लिए एक पा' विकास से सेल्टर और विकास प्रश्लेखी प्रतिवेधिक से अवदेशिक

संगोदती में बतीर मुख्य अर्थान खेलते हुए जैन निर्माणना

2 विजित्त जागरण अध्यक्ष शास्त्र शास्त्र शास्त्र

ने बता कि राजावरी में शब्दे और स्कूलों के मध्यम से समाज को अदेश दिया जा रहा है कि यह परिधा को बचाने में सहसेग मार्टे । लाहानक विकासीयहाराच्या में चंतु विकास भी महानाम धी अभिना कर्नेकिया ने कार्यक्षण का संवालन करते हुए प्रशा कि सावास एवं क्षेत्रण की कर्ने, श्रीन्यानी की कमी और सेम्बाइल दावरी के निकास से मेरिय को संख्या में कामी कभी उसकी है। उन्होंने बता कि लोग अपने घरी की शतों पर बर्नन में पानी घर बार रखीं। तनके साने के लिए तान तालें। बाव उनके साने के

#### লেखনকতামা

## कागजों में उतर आई गौरैया



#### मैंने भी देखी गौरेया माना माना माना







at the first of managed in the



वर्षे बेक्सर, ११,९३७, इरिक्स





petitions, and dissents, and do



## साइंस एक्सप्रेस- बायोडाइवर्सिटी स्पेशल' का भव्य स्वागत

कार्यालय संवाददाता

लखनक। जेव विकिश्त बोई पर आधारित नशीनतम विकास पट्डांनी देन सारंस एक्सप्रेस- बापोहाइनसिटी स्पेशल का बधवार को चारबाग रेलथे स्टेशन पर प्रमाख सचिव चन एवं पर्यावरण एवं राज्य बैब बिविधता चोई के अध्यक्ष बीएन गर्ग ने

जागत किया स फीला काटकर दर्शनाधियां के लिए खोला गया। इस अवसर पर सचिव वन एवं राज्य जैव विविधता बोर्ड के सचिव पवन कमार प्रमुख वन संरक्षक जेएस अस्थाना, द्य. अश्विनी क्यार, प्रमुख वन संरक्षक अनुसंधान व प्रशिक्षण व ब्री रूपक दे, प्रमुख वन संरक्षक बन्य जीव, वन निगम के प्रबन्ध निदेशक उपेन्द्र शर्मा, मुख्य परियोजना निदेशक जायका वीके ठाकर, सीईई उत्तर जोन डा. प्रीति कनीविया व पर्यावरण के निदेशक व प्रदेषण नियंत्रण बोर्ड के सचिव ओपी यमां एवं लखनक

विश्वविद्यालय की जन्त विज्ञान विभाग एक्सप्रेस-वायोदाइवसिटी को एसोसिएट प्रो. अमिता कनीजिया (एसईबीएस) के नाम से प्रचलित यह ट्रेन

16 डिब्बों वाली वातानुकूलित ट्रेन में लगी अद्भुत प्रदर्शनी

साइंस एक्सप्रेस एक नवीनतम एवं अद्भुत प्रदर्शनी है जो विशेष रूप से डिजाइन की गई 16 डिब्बों वाली बातानुकलित ट्रेन पर रखी गयी है। 'साइंस

डिब्बे पर्या समर्थित है जैवभौगोरि



## रोचक जानकारियों के साथ जागरूकता है उद्देश्य



कुपवार को नारबाग रेलने स्टेशन पर आई सांइस एक्स्प्रेस को देखने पहुंचे स्कूली छात्र

ज्ञामा संवाद्याता तालकः भाग को जैव विविधता ट्रेन अंबंधित कुछ रेजी भी रेप्टबर जानव्यतियाँ और पर्याचार में कर्ज बेराल का ग्रहेश देने वाईव एकाईवा (आयोद्यापनीति) भोजन देन पुणवर को सक्तन 
बानवार स्तर स्टरान पर पहुँची स्वयुक्त 
बानवार साथ स्टरान पर पहुँची स्वयुक्त स्वयुक्त ।
बानवार साथ स्टरान निकास से बाद ही राजारणकार है 
बानवार साथ स्टरान निकास है 
बानवार साथ स्टरान स्वयुक्त विकास प्रकारि अपनी सई है। बारा कर कर है कि हर

दिन्ने में बच्चों के लिए क्यों कर खेल थे है। the feferen we assuffly where the me waver अरेकन पर प्रमुख प्रतिक तथ एवं पर्यावक क्षेत्रक वर्षा और के साथ-प्राप्ताई पहुँचे। प्रदर्शने १० ज्यांकर एक सुकत

उन्होंने बीहा कि चान की तीन विकास और वर्षावाम को जानने का नाइक एकावेस एक बीद्रोश एकावेस-बावोद्यापनिर्देश लेकान (एसइबीरस)'रीका भीषा है। प्रमुख संचिव बीएन वर्ग ने ज्यादा से ज्यादा रतेचे खत्माके का बाजे में इसे देखने और सम्पन्न भी अपील भी। जार विवासीन प्रदर्शनी भी देखने के दिनर

- वामबाग रेलवे स्टेशन यर पहुंची साईस एउनाईस
- बुतबुत, समुद्री गेकों और टील जैसे जीव दिखाए गए. जो विश्व में कहीं और नहीं मिलते

) 10 बजे से साम पांच बजे तक जूली लोगे । कवा है आवोडायुक्तिरी स्थाल देव । बाइध के नाम से प्रचलित है जिसमें एक प्रताक में माता की चार्न प्रेरोदिएक वर पार्ट लिए वर पारत है। यह हैम भारत सरकार के विद्वान एवं बीस्ट्रेरियों विश्वास और ्रिय में बाब लिए व स्कूरन-कालेज पर्यावरण एवं वन मंत्रालय वट संपूर्ण प्रवास है।

ගැන්නේ දේවන බව 10 monez යාස දින්ම වෙනත් කාලන ගෙනවන, ක්රායාණින් සහ කියලු නුතු ස් ගණය ක්ර සේ इतने रंग हैं जैव विविधता की दुनिया में...हमने तो सोचा न था

Ermé à for mer met au trome à armet var quer ur êtems à armet var quer ur êtems à armet var quer de des des des mes for à affec ables des mes for à affec ables des mes for à affec ables des mes for à follows show for it who be

नेतृत्व अस्तवान्, ची. अर्थानार्थे कृत्या, कृत्यक हे, उनिन्द सार्थ, चीट्टॉ की सी

- तीर प्राप्ति के प्रिपृत्त इति के कारण और उसके प्राप्ता के वित्र अधिकती अनुसार्थ करा वित्र का वार्ग कार्यों की स्थापन की कारणों की दें गई
- , 'कार्थ पुर्टीट नेती रेक्टर की अपूर्णिक अस्त्राच्या और पूर्वी की अर्थात में तेवर पुर्वाली की अर्थी पर की सरकारी तेव्य है

### ज्ञान का खजाना लेकर आई साइंस एक्सप्रेस



manus, juli est it met under dit gy av gibt for gest it. Di night avegat typologie è en av hies gibt è de pates actue à cor gibt i libre à cor avé et lite au paré gradue actue à cor gibt i libre à cor avé et lite au paré gradue.

#### Fight unit in the pare cord of upon

of profit & continue for it yet us hold if you it is fined on

